RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार, 18 अगस्त 2026 | वर्ष: 04, अंक: 148 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी का नेटवर्क ध्वस्त

अमित शाह ने दी जानकारी, स्वतंत्रता दिवस से पहले 200 से अधिक आतंकी गिरफ्तार, 14 राज्यों में सुरक्षा बलों का सफल अभियान

नई दिल्ली/एजेंसी

स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी गुट 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की गई। गृह मंत्री अमित शाह के मुताबिक देशभर के 14 राज्यों में चलाए गए अभियान के तहत 253 लोगों को हिरासत में लिया गया। इस नेटवर्क के खिलाफ अब तक 80 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। साथ ही 200 से ज्यादा गिरफ्तारी हुई है। यह कार्रवाई प्रधानमंत्री की सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ केंद्र की 'जीरे टॉलरेंस' की नीति के तहत की गई।

14 राज्य और 200 अरेस्ट

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी गुट 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म कर दिया और 200 से ज्यादा आतंकियों को गिरफ्तार करके उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया।

भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगहों पर एक साथ ऑपरेशन चलाकर इस नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया, जो आतंकवाद के प्रति भारत की 'जीरो-टॉलरेंस' नीति का एक बेहतरीन उदाहरण है। गृह मंत्री ने आगे लिखा, 'क्रक से फंड पाने वाले इस गुट के पास से भारी मात्रा में सामान बरामद किया गया, जिसमें आईडी, पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले सीसीटीवी कैमरे शामिल थे। यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था' सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार शहजाद भट्टी नेटवर्क पाकिस्तान से संचालित और आईएसआई समर्थित आतंकी सिंडिकेट है। इस नेटवर्क पर भारत में ग्रेनेड, आईडी और पेट्रोल बम हमलों के साथ टारगेट हत्याओं में शामिल होने का आरोप है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने राजस्थान की प्यास बुझाने का काम किया है: शाह

यह नेटवर्क स्थानिल लोगों को पैसे एकर पुलिस, रक्षा विभाग और हरमीक स्थल की रेकी करवाता था। 14 राज्यों में ये कार्रवाई की गई। जिस्मने उत्तर प्रदेशझ 62, हरियाणाझ 52, दिल्लीझ 51, पंजाब 44, राजस्थान 15, महाराष्ट्र 8, उत्तराखंड 5, कर्नाटक, गुजरात और बिहार 3-3, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और केरलझ 2-2 जगहों पर एक्शन हुआ। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी संगठन शहजाद भट्टी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया और उसके विध्वंसक हमलों की योजनाओं को विफल कर दिया। गृह मंत्री के अनुसार, अभियान के दौरान इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और कथित तौर पर जासूसी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सीसीटीवी कैमरे बरामद किए गए। गृह मंत्री शाह ने कहा कि देशभर में की गई यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ भारत की "जीरो टॉलरेंस" नीति को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था।

यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था

यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था। एसबीएन आईएसआई समर्थित आतंकी सिंडिकेट है। यह भारत में ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों तथा टारगेटेड किलिंग में शामिल रहा है।

एसबीएन स्थानीय सहयोगियों को पैसे देकर पुलिस, रक्षा और धार्मिक स्थलों की रेकी करवाता था और जासूसी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाता था। अब तक एसबीएन के खिलाफ 80 से अधिक एफआईआर और 200 से ज्यादा गिरफ्तारियां दर्ज की जा चुकी हैं।

आतंकवाद के प्रति भारत की 'जीरो-टॉलरेंस' नीति

भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगह पर एक साथ ऑपरेशन चलाकर इस नेटवर्क को ध्वस्त किया, जो आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति का एक बेहतरीन उदाहरण है। शाह ने कहा कि आईएसआई से फंड पाने वाले इस समूह के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। इसमें आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्टरी के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, ज़िंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले सीसीटीवी कैमरे शामिल थे। यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था। एसबीएन आईएसआई समर्थित आतंकी सिंडिकेट है। यह भारत में ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों तथा टारगेटेड किलिंग में शामिल रहा है। एसबीएन स्थानीय सहयोगियों को पैसे देकर पुलिस, रक्षा और धार्मिक स्थलों की रेकी करवाता था और जासूसी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाता था। अब तक एसबीएन के खिलाफ 80 से अधिक एफआईआर और 200 से ज्यादा गिरफ्तारियां दर्ज की जा चुकी हैं।

असम में कार्रवाई से सामने आया व्यापक नेटवर्क

ये मामले यूएपीए, बीएनएस, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दर्ज हैं। आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की मार्किंग वाले ग्रेनेड, पिस्टल, जिंदा कारतूस और जासूसी वाले सीसीटीवी कैमरे बरामद हुए हैं। इससे नेटवर्क के सीधे सीमा-पार संबंध की पुष्टि होती है। सुरक्षा एजेंसियों ने दोहराया है कि भारत सरकार की सीमा-पार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है और एसबीएन के नेटवर्क को देशभर में खत्म करने के लिए समन्वित कार्रवाई जारी रहेगी।

यह कार्रवाई देश के कई हिस्सों में भट्टी से जुड़े मॉड्यूल की जांच के बीच हुई है। 25 जुलाई को असम पुलिस ने बताया था कि उसकी स्पेशल टास्क फोर्स ने धुबरी, चिरांग और बारपेटा पुलिस के साथ मिलकर पाकिस्तान स्थित नेटवर्क से कथित तौर पर जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। खुफिया जानकारी मिलने के बाद 24 जुलाई को यह कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने अभियान के दौरान पांच मोबाइल फोन, सात सिम कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, डेबिट कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए थे।

एनटीए में व्यापक सुधार की तैयारी, 50 से अधिक कर्मचारी हटाए गए

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा व्यवस्था और सुरक्षा प्रोटोकॉल में व्यापक सुधार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने परीक्षा से जुड़े सभी स्थापित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा एनटीए की गोपनीय संचालन व्यवस्था (सीओएनओपीएस) के ढांचे में पूरी तरह बदलाव करने को कहा है। शिक्षा मंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव, एनटीए के महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को बैठक कर हाल में यूजीसी-नेट परीक्षा से जुड़े मुद्दों के बाद एजेंसी की ओर से उठाए गए कदमों की समीक्षा की। बैठक में मंत्री को एनटीए की समग्र व्यवस्था में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, सुधार प्रक्रिया के तहत एनटीए के 50 से अधिक कर्मचारियों को हटाया गया है। इसके अलावा मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ), मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), महाप्रबंधक (परीक्षा सुरक्षा) तथा महाप्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास और साइकोमेट्रिक्स) समेत 10 नए पेशेवर नेतृत्व पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं और इन पदों पर नियुक्तियां की जा रही हैं।

कांवड़ियों की सेवा में जुटी स्योहारा पुलिस काली माता मंदिर पर लगाया भंडारा

थानाध्यक्ष संजय कुमार तोमर के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने कांवड़ियों को कराया भोजन, सेवा भाव की बनी मिसाल

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, स्योहारा मैं सावन कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों की सेवा और सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। स्योहारा पुलिस द्वारा काली माता मंदिर परिसर में कांवड़ियों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया।

थानाध्यक्ष संजय कुमार तोमर के नेतृत्व में आयोजित भंडारे में पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया।

कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं। ऐसे में पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ कांवड़ियों की सेवा के लिए भंडारे का आयोजन किए जाने से श्रद्धालुओं में भी खुशी दिखाई दी।

पुलिसकर्मियों ने स्वयं भंडारे की व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए कांवड़ियों को भोजन कराया और उनकी सुविधाओं का ध्यान रखा। थानाध्यक्ष संजय कुमार तोमर ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा पुलिस की प्राथमिकता है।

पुलिस अपनी ड्यूटी के साथ मानव सेवा के दायित्व को भी निभा रही है। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सेवा करना सौभाग्य की बात है और यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित संपन्न कराने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भंडारे में पुलिसकर्मियों के अलावा स्थानीय लोगों ने भी सहयोग किया। कांवड़ियों ने स्योहारा पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए पुलिसकर्मियों का आभार जताया।

डीएम एवं एसपी ने तहसील चायल में सुनी जनशिकायतें

स्वाती मिश्रा सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। जनपद के सभी तहसीलों में आज सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने तहसील चायल में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर शिकायत को निस्तारित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्रता की स्थिति में लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 29 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार तहसील सिराथू में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। तहसील मंझनपुर में कुल 19 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

हत्या का प्रयास करने वाले वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। थाना सैनी पर वादी हरिश्चन्द सरोज पुत्र कल्लू प्रसाद निवासी ग्राम अजीजपुर थाना कड़ाधाम जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि आज मेरा पुत्र विवेक सरोज टेढ़ीमोड़ से घर जा रहा था कि दिलावल चौराहे के पास दीपक सरोज व उसके अन्य साथी मेरे लड़के के साथ गाली गलौज करने लगे, विरोध करने पर सभी लोगों द्वारा जान से मारने की नियत से हाथ में पहने चुल्ला व डण्डे से मेरे लड़के के सर मार दिया जिससे उसे काफी चोट आयी है । थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त दीपक सरोज पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी सौरई बुजुर्ग थाना कड़ाधाम जनपद कौशाम्बी को टेढ़ीमोड चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया ।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के 3 साल कार्यकाल पूरे होने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष जरूरतमंदो को फल मिठाई वितरित किया

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। चायल विधानसभा अन्तर्गत नगर पंचायत चरवा कैंप कार्यालय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के 3 साल कार्यकाल पूरे होने पर कौशाम्बी जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में जरूरतमंदो को फल मिठाई और दवाइयां वितरित की गई इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा कि हमारे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने मजबूती हासिल की है

उत्तर प्रदेश में न्याय, हक और बदलाव की मशाल थामे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय को प्रदेश अध्यक्ष के रूप में 3 सफल वर्ष पूरे होने पर हम उन्हें ढेरों बधाई देते हैं।

उनके निडर नेतृत्व,जमीनी जुड़ाव और अटूट निष्ठा ही उत्तर प्रदेश कांग्रेस की असली ताकत है! अजय राय ने प्रदेश के 75 जिलों और 130 जिला एवं शहर अध्यक्ष के साथ राहुल गांधी के आदर्शों पर चलते हुए प्रदेश के हर वर्ग की लड़ाई मजबूती से लड़ी और उन्हें उनका अधिकार दिलाया!

अजय राय के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश एक नई उम्मीद और बदलाव की ओर अग्रसर है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रभारी कौशाम्बी राजेश साहनी,जिला उपाध्यक्ष उदय यादव,रामसूरत रैदास,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,कार्यालय प्रभारी हेमंत रावत,सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महेन्द्र मिश्रा,कल्लू पाण्डेय,मनोज शुक्ला,अमित पाण्डेय,धीरज शुक्ला,बड़का रैदास, नत्थी देवी,केतकी देवी,सीता देवी,रजनी देवी,राकेश रैदास,नथई लाल, बुधन पासी,फूला देवी, जोखिनी देवी,मंडल अध्यक्ष पुष्पा देवी,मंजू देवी,ज्योति देवी,सरिता देवी,तारा देवी, ललई रैदास,सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नागपंचमी पर्व के अवसर पर श्री राम जानकी मंदिर पहुंचकर डीएम एसपी ने किया स्थलीय निरीक्षण एवं परखी सुरक्षा व्यवस्था

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी । सोमवार को श्रावण सोमवार एवं नागपंचमी पर्व के अवसर पर जनपद कौशाम्बी में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्री सत्यनारायण एवं जिलाधिकारी कौशाम्बी श्री अमित पाल द्वारा मूरतगंज पक्का तलाव स्थित श्री राम जानकी मंदिर का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के आवागमन, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। अधिकारियों द्वारा संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा भीड़ के दृष्टिगत सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। श्रावण सोमवार एवं नागपंचमी पर्व के दृष्टिगत जनपद के प्रमुख मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, यातायात व्यवस्था एवं सतत निगरानी सुनिश्चित की गई है। पुलिस एवं प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की गई।

डीएम एसपी ने समाधान दिवस, तहसील बिन्दकी में सुनी जनसमस्याएं

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर । तहसील बिन्दकी जनपद फतेहपुर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स व पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा जनसमस्याओं को सुनकर प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित व गुणवत्तापरक निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों /कर्मचारियों को निर्देशित किया गया ।

कप्तान ने जनपद के विभिन्न संवेदनशील स्थलों एवं प्रमुख चौराहों का किया स्थलीय निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा जनपद के विभिन्न संवेदनशील स्थलों एवं प्रमुख चौराहों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित थाना क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए जाने के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने संवेदनशील स्थलों एवं प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने तथा जहां आवश्यक हो वहां अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में नियमित एवं प्रभावी चेकिंग अभियान चलाने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर सतर्क दृष्टि रखने तथा संवेदनशील स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रमुख चौराहों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करने, प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का पालन प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराया जाए तथा लापरवाही बरतने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाए।

पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि जनपद में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल निरंतर भ्रमणशील रहकर संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखे तथा किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

लखनऊ में गांधी प्रतिमा पर प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा को पुलिस ने रोका, किया हाउस अरेस्ट

राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा को लखनऊ धरना प्रदर्शन कार्यक्रम जाने से रोकने पर थाना प्रभारी स्योहारा को दिया ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज बिजनौर। राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम आर पाशा ने प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि सोमवार को लखनऊ में गांधी प्रतिमा पर दिव्यांगजनों का विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रर्दशन व माननीय मुख्यमंत्री आवास का घेराव का कार्यक्रम दिव्यांग महागठबंधन द्वारा प्रस्तावित किया गया था। जिसमें उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के संगठन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी लखनऊ के लिए रवाना हो रहे थे। तथा पुलिस द्वारा सभी जिलों में दिव्यांगजनों का धरना प्रदर्शन सफल न हो सके। इसको लेकर पुलिस द्वारा दिव्यांगों की आवाज दबाने का काम किया गया उन्हें घर पर ही हाउस अरेस्ट किया गया। उन्होंने बताया कि ऐसे ही में भी लखनऊ के लिए रवाना हो रहा था। पुलिस द्वारा मुझे भी मेरे स्थित आवास पर हाउस अरेस्ट किया गया। जिससे कि लखनऊ कार्यक्रम में शामिल न हो सके। इसी को लेकर हमारे संगठन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी में भारी रोष व्यक्त है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों की आवाज को कोई भी दवा नहीं सकता।

राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस द्वारा आवास स्थित हाऊस अरेस्ट के बाद थाना स्योहारा प्रभारी को माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन थाना प्रभारी स्योहारा को सौंपा गया। ज्ञापन देने में,

मोहम्मद आजम ,फहीम,विपिन,रोहित, सितारे आलम, बब्बू, आफताब, शहजाद, सलीम टेलर ,शहजाद,साजिद, इकराम, सलमान,बाबूराम, कालू आदि उपस्थित रहे।

गाजीपुर पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त मनोज कुमार लोधी पुत्र राजबहादुर लोधी निवासी ग्राम हनुमानगढ़ी मजरे शाह थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 46 वर्ष को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

राशन डीलरों को सरकार की बड़ी सौगात, लाभांश 125 रुपये प्रति कुंतल

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। प्रदेश सरकार ने राज्य के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं को बड़ी राहत देते हुए उनके लाभांश में वृद्धि की है। उचित दर विक्रेताओं का लाभांश 90 रुपये प्रति कुंतल से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल कर दिया गया है। इसके साथ ही सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ किया गया है। नई व्यवस्था से राशन डीलरों को आवश्यक वस्तुओं सहित 39 प्रकार की वस्तुओं की बिक्री के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में किया गया। कार्यक्रम में भाजपा की क्षेत्रीय मंत्री पश्चिम क्षेत्र उत्तर प्रदेश हरजीत कौर, नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, भाजपा नेता ऐश्वर्या मौसम चौधरी, जिलाधिकारी जसजीत कौर, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और जिले के विभिन्न उचित दर विक्रेता मौजूद रहे।

इस अवसर पर भाजपा नेता ऐश्वर्या मौसम चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में की गई वृद्धि से उनके आर्थिक हित मजबूत होंगे और उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि शासन द्वारा उचित दर विक्रेताओं के हित में लिया गया निर्णय सराहनीय है। लाभांश बढ़ने से राशन डीलरों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि सिंगल स्टेज डोर स्टेप डिलीवरी और फीडबैक प्रणाली लागू होने से राशन वितरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। साथ ही पात्र लाभार्थियों को शासन की योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी, उचित दर विक्रेता तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

4 वाहन चोर गिरफ्तार व एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, चोरी की 5 मोटरसाइकिल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सोमवार को थाना सिकन्द्राबाद पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान सराय जगन्नाथ को जाने वाले रास्ते से 4 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार व एक बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। अभियुक्तों/बाल अपचारी के कब्जे/निशादेही से चोरी की 5 मोटरसाइकिल बरामद की गयी है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता

देशराज पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम नगासी थाना उसैत जनपद बदायूँ (हाल पता गली नं0-07 गाँव कनावनी थाना इन्द्रापुरम जनपद गाजियाबाद. टीटू उर्फ राजू पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम नगासी थाना उसैत जनपद बदायूँ (हाल पता गली नं0-07 गाँव कनावनी थाना इन्द्रापुरम जनपद गाजियाबाद. दीपक पुत्र सूरज उर्फ सुरेश निवासी ग्राम कनावनी थाना इन्द्रापुरम जनपद गाजियाबाद. अवधेश पुत्र सूरजपाल निवासी ग्राम नगासी थाना उसैत जनपद बदायूँ (हाल पता गली नं0-07 गाँव कनावनी थाना इन्द्रापुरम जनपद गाजियाबाद।

एसपी ने चरवा थाने का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था एवं अभिलेखों का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा थाना चरवा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिस कार्यप्रणाली का जायजा लेते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण शाखाओं एवं व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर स्थित मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण कर महिला संबंधी शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा महिला एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं जागरूकता संबंधी कार्यों की जानकारी ली गई। संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप महिलाओं एवं बालिकाओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इसके पश्चात साइबर हेल्प डेस्क का निरीक्षण कर साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया एवं की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली गई। साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्तियों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा साइबर जागरूकता अभियान के माध्यम से आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक द्वारा विवेचना कक्ष का निरीक्षण कर लंबित विवेचनाओं की स्थिति की जानकारी ली गई तथा विवेचनाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने हेतु संबंधित विवेचकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विवेचनाओं में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो तथा साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान हवालात की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया गया तथा सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही थाना परिसर में निमार्णाधीन बैरक का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली गई तथा संबंधित को निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का समग्र निरीक्षण करते हुए थाना पुलिस को जनशिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, अपराध नियंत्रण, प्रभावी गश्त एवं चेकिंग तथा आमजन के साथ बेहतर पुलिसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में 119 शिकायतें आयें, 6 शिकायतों का मौके पर किया गया निस्तारण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देशित किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को शिकायतों का निस्तारण समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने के लिए निर्देशित किया है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में विभागों के द्वारा कार्यक्रमों एवं योजनाओं के बारे में लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन करते हुए जानकारी प्राप्त की एवं सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए पात्र लोगो को योजनाओं से लाभान्वित कराये जाने हेतु निर्देशित किया है। इस अवसर पर 3 महिलाओं की गोदभराई एवं 2 बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनसमस्याओं को सुनते हुए राजस्व, पुलिस एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरण की जमीनी स्तर पर जांच कर शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने एवं प्रार्थनापत्रों की समयबद्ध जांच, कार्यवाही एवं समस्याओं के निस्तारण में विलम्ब होने पर सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जन-शिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने शिकायतकर्ता का फीडबैक लेने और शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट भी कराये जाने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में आयें हुए वरासत, अवैध कब्जा व अन्य शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने प्रार्थनापत्रों की

अलग-अलग सूची बनाकर सम्बंधित को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

समाधान दिवस में प्रार्थिनी कमला देवी पत्नी सुरेश चन्द्र निवासी ग्राम जलालपुर घोषी तहसील सदर ने अपनी भूमि आराजी नं0 421मि0 रकबा 0.4570हे0 जो अभिलेखों में उनके पति के नाम पर दर्ज है। उसपर अनुज कुमार सिंह तथा उनके सहयोगियों के द्वारा आपसी सांठ गांठ व मिलीभगत से अवैध कब्जा कर लिया गया है। उनके द्वारा जिलाधिकारी से अवैध कब्जे को हटवाकर प्रार्थिनी को कब्जा दिलाए जाने का अनुरोध किया गया, जिसपर जिलाधिकारी ने उक्त प्रकरण पर उपजिलाधिकारी सदर को जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। इसी तरह से प्रार्थिनी नजमा बेगम ने लेखपाल अखिलेश कुमार के द्वारा ग्राम गयासुद्दीनपुर में क्रय की गयी जमीन के दाखिल खारिज में गलत रिपोर्ट लगाये जाने के कारण उनकी दाखिल खारिज स्थगित होने शिकायत की गयी। उनके द्वारा उक्त प्रकरण में किसी अन्य लेखपाल से रिपोर्ट आख्या लगाने की मांग की गयी, जिसपर जिलाधिकारी ने एसडीएम सदर को प्रकरण की किसी अन्य लेखपाल से जांच कराकर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित करने के लिए कहा है। प्रार्थी अजीत कुमार निवासी ग्राम बेचू का पूरा, गोहरी, सोरांव ने पड़ोसी शिवचरन द्वारा मिट्टी डालकर सरकारी पक्की नाली को पाटने की शिकायत की। प्रार्थी ने जिलाधिकारी से नाली को खुलवाये जाने तथा दोषी शिवचरन के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सोरांव एवं थानाध्यक्ष फाफामऊ को प्रकरण का मौका मुआयना करते हुए सरकारी पक्की नाली से अवैध कब्जा हटाये जाने के निर्देश दिए है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील सदर में कुल 119 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व विभाग से सम्बंधित 54, पुलिस विभाग 23, नगर निगम-21 अन्य विभागों की 21 शिकायतें थी, जिनमें से 06 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों को आज ही प्राप्त करते हुए प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा है कि शिकायतों का निस्तारण अनिवार्य रूप से निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत हो जाना चाहिए, जिससे शिकायतकताओं को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी ए0के0 तिवारी, जिला विकास अधिकारी जी0पी0 कुशवाहा, परियोजना निदेशक भूपेन्द्र सिंह, तहसीलदार सुरेश चन्द्र शुक्ला सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बहरिया पुलिस द्वारा 2 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा सोमवार को न्यायालय से कैनाल एण्ड ड्रेनेज एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी 2 अभियुक्त राजाराम यादव पुत्र स्व0 भोला यादव . मोतीलाल यादव पुत्र स्व0 अर्जुन यादव निवासीगण ग्राम सिलोखरा थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना बहरिया क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम सिलोखरा के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 शिवाकान्त शर्मा. का0 प्रदीप यादव, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

नवीन परती की जमीन पर अवैध निर्माण का आरोप, ग्रामीण ने कार्रवाई की मांग की

प्रयागराज। सोरांव तहसील क्षेत्र के आदमपुर गांव निवासी अमित कुमार मौर्य ने नवीन परती की जमीन पर कथित रूप से अवैध पक्का मकान बनाए जाने की शिकायत की है। उन्होंने प्रशासन से निर्माण कार्य रुकवाने और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, गांव में गाटा संख्या 1043 नवीन परती के खाते में दर्ज है। आरोप है कि इसी भूमि पर संतोष कुमार पुत्र स्वर्गीय बुलाकी द्वारा पक्के मकान का निर्माण कराया जा रहा है। अमित कुमार का कहना है कि निर्माण कार्य कई दिनों से जारी है और विरोध करने पर उन्हें कथित रूप से गाली-गलौज तथा धमकी दी जाती है।

मामले में लेखपाल की ओर से की गई स्थलीय एवं अभिलेखीय जांच में गाटा संख्या 1043 राजस्व अभिलेखों में नवीन परती के रूप में दर्ज पाया गया। जांच रिपोर्ट के मुताबिक मौके पर संतोष कुमार द्वारा पक्का मकान निर्माण कराया जा रहा था। निर्माण कार्य रोकने का प्रयास किए जाने के बावजूद निर्माण जारी रहने की बात रिपोर्ट में दर्ज की गई है।

शिकायतकर्ता ने प्रशासन से नवीन परती की भूमि पर हो रहे निर्माण को तत्काल रुकवाने तथा मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

इफको फूलपुर में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

मुख्य अतिथि इफको अध्यक्ष दिलीप संघाणी ने किया ध्वजारोहण कर प्रेस वार्ता की

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर,प्रयागराज=इफको घियानगर फूलपुर में 80 वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि इफको चेयरमैन दिलीप संघाणी एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती गीताबेन संघाणी रहे। सर्वप्रथम ध्वाजारोहण हुआ एवं राष्ट्रगान गाया गया। सुरक्षा गार्ड के जवानों, केन्द्रीय विद्यालय स्कॉउट गाइड के बच्चों ने मार्च पास्ट किया तथा इफको चेयरमैन दिलीप संघाणी जी को सलामी दी गई। केंद्रीय विद्यालय तथा ओम बाल विद्या मंदिर के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि दिलीप संघाणी ने कहा कि आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है कि हम आत्म मंथन करें कि स्वतंत्रता के बाद हमने क्या खो गया और क्या पाया। भारत एक कृषि प्रधान देश है, भारत की आत्मा ग्रामीण अंचल में बसती है। किसानों की उन्नति एवं कृषि विकास में इफको का योगदान महत्वपूर्ण है। हम इस बात पर जोर दे रहे हैं कि किसान रासायनिक खाद का कम प्रयोग करें क्यों कि इससे जल,मृदा एवं वायु प्रदूषित हो रहा है। सरकार की अपील से 50 किलोग्राम यूरिया की बोरी को 45 किलोग्राम किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी मिलने के बाद विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद 2 वर्ष बाद प्रधानमंत्री ने नैनो यूरिया का लोकार्पण गुजरात में किया, नैनो यूरिया 45 किलो की बोरी 500 मिली लीटर बोतल के बराबर काम करेगी। उन्होंने कहा कि हमने यह तय किया है कि नैनो उर्वरक तकनीकी का हस्तांतरण विदेश में तब तक नहीं करेंगे जब तक हम खाद की कमी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर लेते। किसानों को प्रशिक्षण एवं नैनो उर्वरक के प्रयोग की जानकारी लगातार दी जा रही है। सहकारिता के महत्व को देखते हुए आजादी के लगभग 75 वें वर्ष में अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया गया, जिसका नेतृत्व श्री अमित शाह जी कर रहे हैं और सहकारिता के माध्यम से देश लगातार आगे बढ़ रहा है। हमारी संस्था इफको लगातार प्रगति कर रही है । कर्मचारी एवं अधिकारी इसे आगे ले जाने में सार्थक प्रयासरत है। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि हम 50% खाद का आयात करते हैं हमारी यह सोच है कि 50% की कमी को नैनो उर्वरक पूरा करने में सक्षम है, नैनो उर्वरक का प्रयोग पर्यावरण के अनुकूल है जो हमारे हवा एवं मिट्टी को नुकसान नहीं पहुंचती। उन्होंने कहा कि किसानों की उन्नति के लिए एवं आर्थिक समृद्धि के लिए सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य देती है ताकि उनकी उपज का मूल्य उन्हें मिल सके तथा खाद में भी भारी सब्सिडी देती है जिससे जिससे लागत का असर देश के किसानों पर न जाए। प्रेस वार्ता में उन्होंने प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रश्नों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सरकार लघु एवं मध्यम कृषकों को ध्यान में रखकर कृषि नीति बनती है तथा महिला सशक्तिकरण में सरकार का प्रयास सार्थक है। इफको अध्यक्ष श्री दिलीप सिंघाणी ने नवनिर्मित तकनीकी भवन का उद्घाटन किया। श्रीमती गीताबेन संघाणी इफको महिला चेतना क्लब के सामाजिक सरोकार कार्यों में शामिल हुई। इस दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधक (इकाई प्रमुख) पी.के.सिंह, सरिता सिंह, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव मौजूद रहे।

फूलपुर में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण:सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों में हुए कार्यक्रम, बच्चों ने दी प्रस्तुति

फूलपुर,प्रयागराज=फूलपुर क्षेत्र में 80वां स्वतंत्रता दिवस शनिवार को सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों और नगर पंचायत में मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण किया गया और देशभक्ति के कार्यक्रम आयोजित हुए।

तहसील परिसर में एसडीएम फूलपुर हीरालाल सैनी ने तिरंगा फहराया। इसके बाद तहसील भवन में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया। थाना फूलपुर परिसर में एसीपी राजकुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया।ब्लॉक फूलपुर में ब्लॉक प्रमुख विपेंद्र सिंह पटेल ने तिरंगा फहराया। इस दौरान बीडीओ फूलपुर और एडीओ पंचायत सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इफको कोरडेट परिसर में प्रधानाचार्य डॉ. विवेक दीक्षित ने ध्वजारोहण किया। संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने का संकल्प लिया। फूलपुर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में मुख्य अतिथि ने तिरंगा फहराया, जिसके बाद बच्चों ने देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों को नशे से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया गया।

जवाहरलाल इंटर कॉलेज हनुमंत नगर में भी स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्रबंधक बाबूलाल मौर्य ध्वजारोहण किया। इस दौरान बच्चों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसी प्रकार गौतम बुद्ध महाविद्यालय फूलपुर में प्रबंधक कृष्णा राम मौर्य ने ध्वजारोहणकर अखंडता और एक जुटता का संदेश दिया।

पूरे क्षेत्र में दिनभर देशभक्ति का माहौल बना रहा।

नगर पंचायत कार्यालय में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

नगर पंचायत अध्यक्ष अमरनाथ यादव ने किया ध्वजारोहण

फूलपुर ,प्रयागराज=नगर पंचायत फूलपुर कार्यालय परिसर में हर्षोल्लास एवं धूमधाम से 80वा स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष अमरनाथ यादव ने ध्वजारोहण किया, जहां पर ,अधिशासी अधिकारी प्रवीण प्रकाश और सभासद प्रभाकांतओझा, सभासद राजेश गुप्ता, सभासद अजय मौर्या ,बलवंत मौर्य,कुलदीप केसरी, रजत केसरी, राहुल विश्वकर्मा,धीरज मोर्य नामित सभासद प्रमोद पांडे आलोक गुप्ता, गोविंद भारतीय, मौजूद थे। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष अमरनाथ यादव ने और अधिशासी अधिकारी प्रवीण प्रकाश ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और अमर शहीदों के स्मारकों पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर अध्यक्ष अमरनाथ यादव और अधिशासी अधिकारी प्रवीण प्रकाश ने सफाई कर्मचारियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अधिशासी अधिकारी प्रवीण प्रकाश और सभासद प्रभाकांतओझा, पूर्व सभासद राम सुमेर मौर्य, सभासद राजेश गुप्ता, सभासद अजय मौर्या ,नामित सभासद प्रमोद पांडे आलोक गुप्ता, गोविंद भारतीय, बलवंत मौर्य,कुलदीप केसरी, रजत केसरी, राहुल विश्वकर्मा,धीरज मोर्य कार्यालय लिपिक शिव बहादुर यादव, सूर्यभान , नायाब मोहिंरिर सतीश यादव, जीसफाई नायक शहबान, निलेश चौरसिया, मनीष मौर्या, अरविंद गुप्ता, अशोक प्रजापति आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

आटो ने तीन कांवरियों को कुचला, ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर कराया अंतिम संस्कार

पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचे तो मचा कोहराम, सरायइनायत पुलिस ने आटो चालक को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर सरपतीपुर गांव के पास रविवार रात आटो की टक्कर से तीन कांवरियों की मौत के बाद सोमवार को उनके गांवों में मातम छा गया। पोस्टमार्टम के बाद शाम को शव घर पहुंचे तो स्वजन बिलख पड़े। तीनों परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद खराब होने के कारण ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर फाफामऊ घाट पर तीनों का अंतिम संस्कार कराया। ग्रामीणों ने करीब 12 हजार रुपये चंदा एकत्र किया। इसके अलावा अन्य लोगों ने भी आर्थिक सहयोग किया।

थरवई थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी शिव प्रकाश (23) ने दो माह पहले ही नई बाइक खरीदी थी। रविवार शाम वह पड़ोसी लल्लू (50) और रामपुर गोहरी निवासी अशोक कुमार (25) के साथ वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए निकले थे। तीनों पहले संगम पहुंचे और कांवर में गंगाजल भरने के बाद वाराणसी रवाना हुए। बाइक शिव प्रकाश चला रहे थे।

रात में सरपतीपुर गांव के पास सामने से आ रहे आटो ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। बाइक सवार तीनों सड़क पर गिर पड़े और आटो उन्हें कुचलते हुए निकल गया। हादसे में तीनों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची सरायइनायत पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक अशोक के पिता रामकैलाश की तहरीर पर पुलिस ने आटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। सोमवार सुबह पुलिस ने अंदावा निवासी आटो चालक अशोक पाल को गिरफ्तार कर लिया।

शिव प्रकाश तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थे और शटरिंग का काम कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी मौत से पत्नी खुशबू, डेढ़ वर्षीय बेटी महक और मां बच्ची देवी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

अशोक की पत्नी चांदनी का रो-रोकर बुरा हाकरते थे।

उनकी मौत से पत्नी चांदनी समेत परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। वहीं लल्लू अविवाहित थे। मूलरूप से रुदापुर फाफामऊ के रहने वाले लल्लू काफी समय से अपने चचेरे भाई रामशरण की ससुराल में रह रहे थे। उनकी मौत की खबर से वहां भी मातम छा गया।

ग्रामीणों ने बताया कि तीनों परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर है। ऐसे में अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीणों ने आपस में चंदा जुटाया और फाफामऊ घाट पर तीनों की अंत्येष्टि कराई।

पुलिस उपायुक्त ने कांवड़ यात्रा की सुरक्षा का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत द्वारा श्रावण मास के तृतीय सोमवार के अवसर पर कांवड़ यात्रा को सुरक्षित व सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जोन-गंगानगर के थाना थरवई क्षेत्रान्तर्गत पण्डिला महादेव मन्दिर का भ्रमण कर ड्यूटी डिप्लॉयमेंट, बैरीकेटिंग आदि को चेक किया गया। इसके अलावा थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत हबूसा मोड़ पर निरीक्षण कर ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को यातायात सुगमता, सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही कांवड़ यात्रा मार्गों पर यातायात प्रतिबंध, मार्ग डायवर्जन एवं विशेष सावधानी हेतु तैनात पुलिस बल को सतर्क रहने का निर्देश भी प्रदान किया गया। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर भी मौजूद रहे।

चोरी के मामले में 4 शातिर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। चोरी के अभियोग में 4 शातिर चोरों को करैली थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से एक कटर मशीन, तीन लेड लाईट रिचार्जेबल, रंभा, दो बर्फ ब्रेकिंग मशीन(मोटर के साथ), पांच सिलिंग फैन (ब्लेड विहीन), एक मोटर का पिछला हिस्सा, एक गोल रिंग हैण्डल (बर्फ ब्रेकिंग मशीन), दो कूलर मोटर, 2.5 किलो कापर वायर व एक ठेलिया बरामद किया है।

थाना करैली पुलिस द्वारा धारा 331(4)/305(ए)/317(2) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित चार अभियुक्तों में नमरूलशेख उर्फ पोरे निवासी कोयला बाजार थाना राजमहल जनपद साहेबगंज झारखण्ड, हालपता झुग्गी झोपड़ी अबू बकर

मस्जिद के पीछे थाना करैली जनपद प्रयागराज, मो0 चाँद निवासी फुलवरिया मोड़ थाना राजमहल जिला साहेबगंज, झारखण्ड हाल पता झुग्गी झोपडी इस्लाम नगर करामत की चौकी थाना करैली जनपद प्रयागराज, किस्मत शेख उर्फ मुस्तकीम निवासी लखीपुर फुलवरिया मोड़ थाना राजमहल जिला साहेबगंज झारखण्ड, हाल पता साहिबा डेरी के पीछे करामत की चौकी थाना करैली जनपद प्रयागराज और सेना खान निवासी वीरनाथपुर थाना बैहरवा जिला साहेबगंज झारखण्ड, हालपता लाल कालोनी थाना करैली, प्रयागराज शामिल हैं। इनको मुखबिर की सूचना पर बक्शी पुल के आगे एलिना सीटी के पास थाना क्षेत्र करैली से गिरफ्तार किया गया। थाने में लिखापढ़ी के बाद इनको जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि इन चारों के खिलाफ थाने में पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

करेली में जलभराव से बिगड़े हालात, 69 लोगों का रेस्क्यू

पहली मंजिल तक पहुंचा पानी, 49 बच्चों समेत 69 लोगों को एनडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सोमवार सुबह हुई तेज बारिश के बाद करेली इलाके के कई मोहल्लों में जलभराव से हालात बिगड़ गए। जसीर की पुलिया समेत आसपास के इलाकों में पानी घरों में घुस गया। कई मकानों में पहली मंजिल तक पानी पहुंचने से लोग फंस गए। सूचना पर पुलिस और एनडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची और बोट के जरिए राहत एवं बचाव अभियान चलाया।

सुबह तेज बारिश के बाद देखते ही देखते करेली के जसीर की पुलिया और आसपास के मोहल्लों में पानी भर गया। घरों में पानी घुसने से लोगों में अफरातफरी मच गई।

कई मकानों में पहली मंजिल तक पानी पहुंच गया। इसी दौरान एक मकान की दीवार ढहने से लोगों की चिंता और बढ़ गई।

जलभराव की सूचना पर एसीपी अतरसुइया राम सिंह और करेली थाना प्रभारी सच्चिदानंद सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति गंभीर देखते हुए एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम कमांडर निरीक्षक बृजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में 30 सदस्यीय टीम ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया।

एनडीआरएफ ने पहले उन स्थानों को चिह्नित किया, जहां पानी अधिक भरने के कारण लोगों के बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया था। इसके बाद बोट के जरिए जलभराव वाले इलाकों में पहुंचकर घरों और मदरसे में फंसे बच्चों व अन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। रात आठ बजे तक चले रेस्क्यू अभियान में 49 बच्चों और आठ महिलाओं समेत कुल 69 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

रेस्क्यू अभियान के बाद एनडीआरएफ की टीम ने स्थानीय लोगों को जलभराव के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी। टीम ने लोगों से पानी बढ़ने की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर जाने और बिजली के उपकरणों से दूरी बनाए रखने की अपील की।

पांच लाख की रंगदारी मांगने का आरोप, अतीक गैंग से जुड़े दो लोगों पर मुकदमा

मकान की मरम्मत कराने पहुंचे इविवि छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष से मांगी रकम, धमकी देने का भी आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं इलाहाबाद टेंपो-टैक्सी यूनियन के उपाध्यक्ष रघुनाथ द्विवेदी से पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि धूमनगंज स्थित मकान की मरम्मत कराने के दौरान अतीक अहमद गिरोह से जुड़े जावेद अहमद और जुबैर अहमद ने उनसे रंगदारी मांगी और धमकी दी। धूमनगंज पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कटरा निवासी रघुनाथ द्विवेदी ने पुलिस को बताया कि वह धूमनगंज के ओमप्रकाश सभासद नगर स्थित अपने मकान की मरम्मत कराने पहुंचे थे। आरोप है कि इसी दौरान जावेद और जुबैर वहां पहुंचे। दोनों ने कथित तौर पर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी। रकम नहीं देने पर मकान छोड़कर भाग जाने और 60 फीट रोड पर दिखाई नहीं देने की धमकी देने का भी आरोप है।

रघुनाथ ने पुलिस को बताया कि उन्होंने यह मकान बैजनाथ से खरीदा था और नगर निगम में उसका दाखिल-खारिज भी हो चुका है। मामले में धूमनगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि शिकायत के आधार पर जावेद अहमद और जुबैर अहमद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपों की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में व्यवस्थाओं में सुधार एवं शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । मण्डलायुक्त के निदेर्शानुसार अपर आयुक्त (प्रशासन), प्रयागराज मण्डल द्वारा सोमवार को तहसील करछना, प्रयागराज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग किया गया। इस दौरान उपस्थिति पंजिका के निरीक्षण में अनियमितता पाए जाने पर निर्देशित किया गया कि उपस्थित अधिकारियों के नाम, पदनाम, हस्ताक्षर एवं आगमन समय सहित सुव्यवस्थित पंजिका तैयार की जाए। बिना पूर्व अनुमति अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन संतोषजनक स्पष्टीकरण एवं जिलाधिकारी की अनुमति तक आहरित न किया जाए। शिकायती प्रार्थनापत्रों को रजिस्टर में दर्ज न किए जाने एवं शिकायतकताओं को रिसीविंग न दिए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रत्येक प्रार्थनापत्र को रजिस्टर में दर्ज करने तथा शिकायतकर्ता को हस्ताक्षरयुक्त प्राप्ति उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सभागार में शिकायतकताओं के बैठने एवं क्रमवार प्रार्थनापत्र प्रस्तुत करने की व्यवस्था न होने पर निर्देशित किया गया कि शिकायतकताओं को बैठाने, क्रम से आवेदन लेने एवं एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 154 प्रार्थनापत्र प्राप्त हुए, जिनमें 130

राजस्व, 05 पुलिस, 06 विकास, 02 विद्युत तथा 11 अन्य विभागों से संबंधित थे। इनमें से 08 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। शेष प्रकरणों का एक सप्ताह में तथा विशेष परिस्थितियों में अधिकतम 15 दिन में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए संबंधित शिकायतकर्ता से दूरभाष पर निस्तारण की पुष्टि कराने के निर्देश दिए गए।

13 अत्यन्त गम्भीर प्रकृति के प्रकरणों की जांच उप जिलाधिकारी द्वारा स्वयं कराकर एक सप्ताह में कृत कार्रवाई से अवगत कराने को कहा गया। साथ ही निस्तारण की गुणवत्ता का स्वयं परीक्षण करने तथा असंतोषजनक निस्तारण पाए जाने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध विधिक एवं दण्डात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ग्रामसभा अथवा सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतों की जांच उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा स्वयं करने के निर्देश दिए गए। विशेष परिस्थितियों में नायब तहसीलदार से स्थलीय/अभिलेखीय जांच कराई जा सकती है, परन्तु ऐसे प्रकरणों की जांच नायब तहसीलदार से नीचे के अधिकारी से न कराई जाए। निस्तारण के बाद शिकायतकताओं से वार्ता कर उनकी संतुष्टि सुनिश्चित करने तथा असंतोष की स्थिति में प्रकरण की पुनः जांच कराकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने के भी निर्देश दिए गए।

संपादकीय

बोफोर्स कांड: एक झूठ के शापित होने का सच

एक झूठ के बल पर खड़ा हुआ बोफोर्स कांड सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अब फाइलों में बंद हो गया। केस चालिस साल चला। इस पर 250 करोड़ रुपए व्यय हुए। इतना सब होने और चालिस साल की जीतोड़ कवायद के बाद भी बोफार्स खरीद में रिश्वत लेने की सच्चाई सामने नही आई। केस तो खत्म हो गया किंतु यह तै नही हो पाया कि इस प्रकरण में रिश्वत ली गई या नहीं । कोर्ट के केस खारिज करने के बाद भी रिशवत लेने का आरोप आज भी अपनी जगह खड़ा है।इस कांड का पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी एवं अन्य आरोपियों के माथे पर लगा बेइमानी का दाग कभी खत्म नही हो पाएगा? क्या उनके परिवार माथे पर लगे इस कलंक से मुक्त हो पाएंगे? क्या उनके परिवार के सम्मान की हुई क्षति की कभी पूर्ति हो सकेगी? पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के बार -बार बोले जाने वाले बोफोर्स खारीद में रिश्वत ने जनता के मन में तक जमाये झूठ के कारण राजीव गांधी से जनता दूर हो गई और उन्हें अपनी सरकार तक गंवानी पड़ी ।

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुजा ब्रदर्स को बरी करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के 2005 के फैसले के खिलाफ दायर अंतिम अपील को भी खारिज कर दिया है। इसके साथ ही भारत के सबसे चर्चित और लंबे समय तक चलने वाले भ्रष्टाचार के मामलों में से एक बोफोर्स कांड का कानूनी अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया है।

मामले में जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस विनोद के. चंद्रन की बेंच ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता की स्थगन की मांग को ठुकराते हुए मामले की आखिरी याचिका को खारिज कर दिया। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भी इस मामले में अपील की थी। इस अपील को भी सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ही देरी के आधार पर खारिज कर दिया था। 1986 में हुए इस रक्षा सौदे का विवाद लगभग 40 साल तक अदालतों और भारतीय राजनीति के केंद्र में रहा और अंत में समाप्त हो गया।

पूरा मामला 24 मार्च 1986 को भारत सरकार और स्वीडिश कंपनी एबी बोफोर्स के बीच हुए 1,437 करोड़ रुपये के उस समझौते से जुड़ा है। इसके तहत भारतीय सेना के लिए 400 हॉवित्जर तोपें खरीदी जानी थीं। साल 1987 में स्वीडिश रेडियो ने यह सनसनीखेज खुलासा किया कि इस सौदे को हासिल करने के लिए भारतीय राजनेताओं और रक्षा अधिकारियों को अवैध कमीशन दिए गए थे। इस खुलासे ने भारतीय राजनीति में तहलका मचा दिया था।

कांग्रेस छोड़ने के बाद, विश्वनाथ प्रताप (वीपी) सिंह ने खुद को एक ह्यईमानदार नेताह्न (मिस्टर क्लीन) के रूप में स्थापित किया। उन्होंने राष्ट्रीय मोर्चा (जनता दल) का गठन किया। 1989 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान वीपी सिंह अपनी रैलियों में बेहद आक्रामक रहे। वह अक्सर मंचों से अपनी जेब से एक सफेद पर्ची निकालकर लहराते थे। उनका दावा था कि उस पर्ची पर बोफोर्स घोटाले के पुख्ता सबूत, दलाली की रकम पाने वालों के नाम और राजीव गांधी के कथित स्विस बैंक खातों के नंबर लिखे हैं। कथित स्विस बैंक खातों के नंबर लिखे हैं। इस आक्रामक अभियान ने जनता के बीच राजीव गांधी सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश पैदा किया। बोफोर्स घोटाले को मुख्य चुनावी मुद्दा बनाकर वीपी सिंह ने विपक्ष को एकजुट किया। इस आक्रामक अभियान ने जनता के बीच राजीव गांधी सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश पैदा किया। उनकी बेइंतहा छवी खराब की। राजीव गांधी सरकार पर गंभीर सवाल उठे और 1989 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की हार का इसे एक बड़ा कारण माना गया। प्रधानमंत्री बनते ही वीपी सिंह ने बोफोर्स कंपनी पर भारत के साथ भविष्य के किसी भी रक्षा सौदे के लिए प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने मामले की जांच के लिए अधिकारियों की एक विशेष टीम भी गठित की।

भारी वादों और दावों के बावजूद, झूठ के बल पर बनी वीपी सिंह की सरकार केवल 11 महीने चली। सकार बनने के बाद वीपी सिंह 11 महीने की आपनी सरकार के कार्यकाल में कोई भी सबेत नही दे सके। स्विस बैंक का खाता भी नही बता पाए। ये सरकार राजीव गांधी के खिलाफ सीधे तौर पर कोई ठोस कानूनी सबूत पेश नहीं कर सकी। आलोचकों का कहना है कि चुनावी रैलियों में जिस पर्ची का दावा किया गया था, उसका सच कभी पूरी तरह सामने नहीं आ सका।

विदेशी चंदे पर नियंत्रण और संतुलन की अपेक्षा

12 अगस्त 2026 का दिन भारतीय संसद के लिए इसलिए महत्वपूर्ण रहा कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 यानी एफसीआरए विधेयक को लोकसभा ने 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति-जेपीसी के पास भेज दिया। यह फैसला केवल एक विधेयक को संसदीय प्रक्रिया के अगले चरण में भेजना नहीं है, बल्कि उस व्यापक बहस का अवसर है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी धन की पारदर्शिता, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता, नागरिक समाज की भूमिका और लोकतांत्रिक अधिकार-सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने से सरकार और विपक्ष के बीच तत्काल टकराव को कुछ हद तक विमर्श में बदलने का अवसर मिला है। एफसीआरए का इतिहास भी इस बहस की गंभीरता को समझने में मदद करता है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंकाओं को देखते हुए 1976 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में इसे नए एफसीआरए कानून से प्रतिस्थापित किया गया और उसके बाद 2020 सहित विभिन्न चरणों में इसके प्रावधान अधिक कठोर होते गए। आज यह कानून केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का लेखा-जोखा रखने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े विमर्श का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

आंकड़े इस विषय की व्यापकता बताते हैं। पीआरएस के अनुसार 15 जुलाई 2026 तक 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त माने गए। 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को लगभग 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान मिला। इन आंकड़ों को देखकर यह सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग कहां, किस उद्देश्य से और किस स्तर की निगरानी के साथ हुआ? लेकिन इसके साथ दूसरा प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है-क्या किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त हो जाना अपने आप में किसी वित्तीय या आपराधिक अनियमितता का प्रमाण माना जा सकता है? सरकार के अपने स्पष्टीकरण के अनुसार भी पंजीकरण समाप्त होने के कई कारण हो सकते हैं और हर समाप्ति को गलत काम से जोड़ना उचित नहीं है। यहीं से प्रस्तावित संशोधन का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। विधेयक में ह्यनामित प्राधिकरणह्न की व्यवस्था प्रस्तावित है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, वह स्वयं पंजीकरण छोड़ देती है या उसका प्रमाणपत्र नवीनीकरण न होने के कारण समाप्त हो जाता है, तो विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियां पहले अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन आ सकती हैं। यदि निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल नहीं होता तो संपत्तियां स्थायी रूप से निहित की जा सकती हैं तथा उन्हें सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उपयोग या बेचने का प्रावधान है। बिक्री से प्राप्त राशि और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान भारत की समेकित निधि में जमा किए जाने का प्रस्ताव है।

भारत में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विदेशी वित्तपोषण के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं अथवा राष्ट्रीय हित से टकराने वाली गतिविधियों को लेकर सवाल उठे हैं। इसलिए एफसीआरए का मूल उद्देश्य-विदेशी अंशदान को पारदर्शी, उत्तरदायी और वैध उद्देश्यों तक सीमित रखना-न तो अनुचित है और न ही लोकतंत्र विरोधी।

लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता और प्रशासनिक शक्ति के विस्तार के बीच एक स्पष्ट रेखा भी होनी चाहिए।

प्रधान मंत्री का लालकिले से विकसित भारत का संकल्प

अशोक भाटिया

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। विकसित भारत का यह विजन महज एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरूआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है।

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी। सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि वे अब नीति निर्धारण के केंद्र में आ रही हैं। इसी तरह, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार, आधुनिक खेती को बढ़ावा और वैश्विक कृषि आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना आवश्यक है। किसान जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि-उद्यमी बनेगा, तभी ग्रामीण भारत समृद्ध होगा। अंत में, अंत्योदय की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता जब तक कि बहुआयामी गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन न हो जाए और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन स्तर न मिल जाए।

आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। लेकिन विकसित देश बनने के लिए हमें केवल सकल घरेलू उत्पाद के आकार को ही नहीं बढ़ाना है, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में भी गुणात्मक सुधार करना होगा। इसके लिए विनिर्माण और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना आवश्यक है। मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रक्षा क्षेत्र में, जहां कभी हम पूरी तरह आयातों पर निर्भर थे, आज हम स्वदेशी अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भी बढ़ा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अब वैश्विक कंपनियों की तर्ज पर अपनी क्षमता का विस्तार करना होगा ताकि भारतीय ब्रांड दुनिया भर के बाजारों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही, देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक रेलवे, एक्सप्रेसवे का विस्तृत नेटवर्क, जलमार्गों का विकास और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत और आधुनिक बुनियादी ढांचा ही विकसित भारत की ठोस नींव बनेगा, जो देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

तकनीक और नवाचार के इस युग में जो देश अग्रणी रहेगा, वही दुनिया के भविष्य को दिशा देगा। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में जो क्रांति की है, उसने दुनिया के विकसित देशों को भी अचंभित किया है। हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुकी है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं है, बल्कि वह विश्व को सस्ती, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देने वाला प्रदाता भी है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता निवेश इस विजन को और स्पष्ट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत का बढ़ता कदम यह दशार्ता है कि हम भविष्य की तकनीकों के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और संप्रभु होना विकसित भारत की एक अनिवार्य शर्त है, जो हमें वैश्विक मंच पर एक अद्वितीय पहचान दिलाएगी।

संकल्प जितना विराट होता है, उसकी राह की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन होती हैं। विकसित भारत के मार्ग में कई आंतरिक और बा चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को पाटना एक बड़ी चुनौती है।

विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच एक कुशल संतुलन बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना युद्धस्तर पर आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर, हमारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनना होगा, क्योंकि लालफीताशाही और भ्रष्टाचार विकास की गति को धीमा करते हैं। वैश्विक मोर्चे पर, वर्तमान समय की भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक व्यवधान भी हमारे सामने चुनौतियां खड़ी करते हैं, जिनसे निपटने के लिए भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा।

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

ललित गर्ग

संसदीय मयार्दाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मयार्दा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है?

मोदी के गले मिलने पर तंज, राहुल बताएं कांग्रेस की विदेश नीति

अजय कुमार

राहुल गांधी के ताजा बयान को सिर्फ राजनीतिक मजाक मानकर आगे बढ़ जाना आसान है। दिल्ली के मावलंकर हॉल में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर तंज कसते हुए कहा कि पता नहीं उनके दिमाग में यह बात कहां से आ गई कि गले पड़ना ही विदेश नीति है। फिर उन्होंने संदीप दीक्षित को बुलाकर गले लगाया। दीक्षित ने जॉर्जिया मेलोनी का नाम लेकर सवाल किया कि कहीं उन्हें मेलोनी समझकर तो नहीं पकड़ा गया। सवाल यह है कि क्या भारत की विदेश नीति जैसी गंभीर बहस को ऐसे मजाक में बदलना कांग्रेस के हित में है।राहुल गांधी को प्रधानमंत्री की विदेश नीति पर सवाल उठाने का पूरा अधिकार है। विपक्ष का काम ही सरकार से सवाल पूछना है। लेकिन विदेश नीति की आलोचना और व्यक्तिगत कटाक्ष में फर्क होता है। जब मुद्दा अमेरिका, ईरान, चीन, रूस, यूरोप, खाड़ी और पाकिस्तान जैसे देशों के साथ भारत के रिश्तों का हो, तब बहस इस बात पर होनी चाहिए कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हित कितने सुरक्षित किए। सवाल होना चाहिए कि व्यापार कितना बढ़ा, निवेश कितना आया, ऊर्जा सुरक्षा कितनी मजबूत हुई, सीमा पर चीन को कितना दबाव महसूस हुआ और संकट के समय भारत की कूटनीतिक उपयोगिता कितनी बढ़ी। गले की तस्वीर इन सवालों का विकल्प नहीं। सरकार की आलोचना करते समय कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए कि उसकी अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताएं क्या होंगी। पड़ोसी देशों के साथ संबंध, हिंद महासागर में भारत की भूमिका, रक्षा खरीद और वैश्विक संस्थाओं में भारत की आवाज, इन सभी पर पार्टी को स्पष्ट रुख रखना होगा। यह बहस का हिस्सा बने।

राहुल के तंज का जवाब इतिहास भी देता है। 1983 में दिल्ली में सातवें गुटनिरपेक्ष सम्मेलन के दौरान क्यूबा के नेता फिदेल कास्त्रो ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अचानक गले लगा लिया था। यह 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों वाला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन था। कास्त्रो ने इंदिरा गांधी को बहन कहकर संबोधित किया और सम्मेलन की अध्यक्षता का हथौड़ा उन्हें सौंपा। इसलिए किसी विदेशी नेता से गले मिलना अपने आप में विदेश नीति की कमजोरी का प्रमाण नहीं हो सकता। असली सवाल यह है कि उस रिश्ते के पीछे रणनीतिक हित क्या थे।विडंबना यह भी है कि राहुल गांधी खुद 2018 में संसद में नरेंद्र मोदी को अचानक गले लगा चुके हैं। इसलिए आज गले लगाने को विदेश नीति का मजाक बनाते समय कांग्रेस को अपने राजनीतिक इतिहास का भी ध्यान रखना चाहिए। राजनीति में प्रतीक महत्वपूर्ण होते हैं। प्रतीक तभी असरदार होते हैं जब उनके पीछे नीति और परिणाम हों।सरकार के पक्ष में आंकड़े भी मौजूद हैं।

जंतर मंतर-रांची : छात्र आंदोलन एक रूप अनेक

निर्मल रानी

देश इन दिनों लगभग राष्ट्रव्यापी छात्र आक्रोश व आंदोलन से रूबरू है। अभी कुछ दिन पहले ही NEET पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ 6 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चला आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। इसके बाद ही झारखंड में भी जेपीएससी (JPSC) और जेएसएससी (JSSC) परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरुद्ध 29 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र आंदोलन की शुरूआत हुई। यहाँ भी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, धांधली और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आदि मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। परन्तु कुछ दिनों पूर्व हुये दिल्ली के जंतर-मंतर व वर्तमान समय रांची में चल रहे छात्र आंदोलन में जहां कुछ बातें समान हैं वहीं कई बातें विरोधाभासी भी हैं। उदाहरण के तौर पर दोनों ही आंदोलन पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली व अनियमितताओं के खिलाफ किये गए हैं। जंतर मंतर की ही तरह रांची में भी जहाँ आंदोलनस्थल पर अनेक स्वयंसेवी लंगर चला रहे हैं व आंदोलनकारी छात्रों के दूर दराज बैठे समर्थक फूड ऐप्स के जरिए सीधे आंदोलन स्थल पर भोजन ऑर्डर कर रहे हैं व छात्रों को मेडिकल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यहाँ भी भोजन इतनी अधिक मात्रा में आ रहा है कि आंदोलनकारी छात्रों ने वीडियो जारी कर लोगों से कुछ दिन ऑर्डर रोकने की अपील की ताकि खाना बर्बाद न हो और बचे हुए भोजन को जरूरतमंदों में बांटा जा सके। इसके अलावा रांची के स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों द्वारा आंदोलन स्थल पर भोजन,समोसे, बिरयानी,नाश्ता और पानी आदि पहुंचाया जा रहा है। अनशन पर बैठे छात्र नेताओं की सेहत की देखभाल के लिए रांची के सदर अस्पताल में मेडिकल टीम नियमित रूप से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल) कर रही है। इसके अतिरिक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने निर्देश जारी किया है कि आंदोलन के दौरान बीमार या चोटिल होने वाले छात्रों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी, चाहे वे सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं या निजी अस्पताल में।

परन्तु इन दोनों अर्थात दिल्ली व रांची के आंदोलन में जो सबसे बड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है वह है जंतर मंतर के छात्र आंदोलन का विरोध करने वालों का रांची के आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना। बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड,विदेशी फंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नजर आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो?

याद कीजिये कि जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ़्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देत।

इस व्यक्ति ने प्रदर्शन में शामिल धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी विचारधारा वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ रेप करवाने जैसी बेहद अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की थीं। साथ ही गोदी मीडिया के नाम से बदनाम सत्ता का पिछलग्गू मीडिया भी जो जंतर मंतर आंदोलन से या तो मुंह मोड़े हुआ था या इसी आंदोलन विरोधी वर्ग की तरह आंदोलन में केवल नकारात्मकता तलाश रहा था,जिसे संसद भवन के पास चल रहा इतना बड़ा छात्र आंदोलन नजर नहीं आ रहा था वही मीडिया रांची में डेरा जमाये हुये है और अपने तरीके से छात्र आंदोलन का नरेटिव सेट करने में लगा है। इस दोहरेपन का केवल एक ही कारण है कि दिल्ली में केंद्र व दिल्ली राज्य, दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं जबकि झारखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा , कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल, के गठबंधन यानी इण्डिया गठबंधन की सरकार है और झामुमो के हेमंत सोरेन इस सरकार के मुख्यमंत्री हैं। इसलिये इनका समर्थन छात्र आंदोलन को नहीं बल्कि यह झारखण्ड में इण्डिया गठबंधन की सरकार का विरोध कर रहे हैं।

इस अवसरवादी विचारधारा का विरोध करने वालों का चेहरा रांची में उस समय भी बेनकाब हुआ जबकि जंतर मंतर के आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा और वहां अनशन पर बैठने वाली अखिल भारतीय छात्र संगठन अकरअ की केंद्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा जब हजारों छात्रों के साथ विधानसभा के लिये मार्च निकाल रही थीं उस समय एक युवक ने नेहा पर स्याही फेंक कर छात्र आंदोलन को समर्थन देने की अपनी हकीकत को उजागर कर दिया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया और पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया।

मुख्यमंत्री योगी के जनता दर्शन में सीतापुर की रोली के जीवन में खुशियों की 'बारिश'

पुलिस, राजस्व, चिकित्सा आदि से जुड़े प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध निस्तारण का भी दिया निर्देश

लखनऊ।
मां अपने बच्चे की खुशियों के लिए हर बाधा को पीछे छोड़ देती है। यह सोमवार को भी चरितार्थ हुआ, जब मूसलाधार बारिश में अपने बच्चे को लेकर सीतापुर की रोली 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपनी पीड़ा बताई। उन्होंने कहा कि उनका बच्चा थैलेसीमिया से पीड़ित है। उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता है। यह सुन मुख्यमंत्री ने बच्चे के सिर पर हाथ फेरा और उसे शीघ्र स्वस्थ होने का आशीर्वाद दिया। फिर इलाज के लिए तत्काल एस्टिमेट मंगवाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। योगी से यह आश्वासन पाकर रोली की आंखों में चमक आ गई। उन्होंने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताया।
गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए निरंतर दी जा रही आर्थिक सहायता 'जनता दर्शन में बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा देते हुए कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं बनेगी, सरकार निरंतर आर्थिक सहायता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए धनराशि दी जाएगी। योगी ने अपनत्व के भाव से कहां से आए हैं, क्या परेशानी है, कहते हुए एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। भरोसा दिया कि सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। पुलिस, राजस्व, चिकित्सा, जमीन कब्जा आदि से जुड़े प्रार्थना पत्रों पर भी उन्होंने समयबद्ध निस्तारण व कार्रवाई का निर्देश दिया।

मीरजापुर : अदवा बांध के चार गेट खुले, 14 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा, हलिया बाजार में घुसा पानी

ददरी रोड पर बैंक समेत कई दुकानों और घरों में पहुंचा पानी, हथेडा पुल पर आवागमन बाधित

मीरजापुर।
जनपद में लगातार हो रही बारिश के चलते हलिया क्षेत्र के सिरसी बांध प्रखंड स्थित अदवा बांध का जलस्तर अचानक बढ़ गया। जलस्तर बढ़ने पर रविवार रात बांध के चार गेट खोलकर करीब 14 हजार क्यूसेक प्रति सेकंड पानी अदवा नदी में छोड़ा गया। तेज बहाव के कारण हलिया बाजार के ददरी रोड पर स्थित स्टेट बैंक समेत कई व्यवसायियों के घरों और प्रतिष्ठानों में पानी घुस गया, जिससे लाखों रुपये के सामान के नुकसान की आशंका है।
अदवा बांध में अदवा नदी के साथ केहजूआ और सपहरा पहाड़ी नदियों का पानी लगातार पहुंच रहा है। इससे बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा।
स्थिति को देखते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर रात में चार गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू की गई।
बांध से पानी छोड़े जाने के बाद हलिया-हथेडा मार्ग स्थित पुल के ऊपर से पानी बहने लगा, जिससे आवागमन बाधित हो गया। छोटे वाहनों को करीब तीन किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय कर भटवारी के पुराने पुल से होकर गुजरना पड़ा, जबकि बड़े वाहनों को लगभग 15 किलोमीटर दूर बड़ौही-गुरगी मार्ग से आवागमन करना पड़ा।
अचानक बाजार में पानी घुसने से दुकानदारों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। व्यवसायियों ने अपने सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का प्रयास किया। लगातार बारिश के कारण क्षेत्र में नदी-नालों का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है।
सिंचाई विभाग के एसडीओ अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि अदवा बांध का जलस्तर बढ़ने के कारण रात में चार गेट खोलकर 14 हजार क्यूसेक प्रति सेकंड पानी अदवा नदी में छोड़ा जा रहा है। उन्होंने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से नदी के पास न जाने की अपील की है।

नागपंचमी पर धर्मनगरी काशी में सनातनी घरों में पूजे गए नाग देवता, शिव मंदिरों में उमड़ी भीड़

वाराणसी।
श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी यानि नागपंचमी पर सोमवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में विधि विधान से घर-घर नागदेवता का पूजन अर्चन किया गया। इस अवसर पर नागों (नागों के चित्र) की पूजा कर उन्हें पंचामृत, घृत, कमल, दूध, लावा अर्पित किया गया। शहर और ग्रामीण अंचल के विभिन्न शिवमंदिरों में भी पूजा की थाली लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान शिव व उनके गले में लिपटे सर्प को बेल पत्र, धतूरा, फूल, हल्दी चावल, दूध आदि चढ़ाकर विधि विधान से पूजा अर्चना की।
नाग पंचमी पर्व पर ही काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ और

नागकुंआ नवापुरा स्थित नागेश्वर महादेव के दर्शन के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पूजन अर्चन के बाद घरों में पकवान बना कर नागदेवता को भोग लगाया गया। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने पकवान को हंसी खुशी माहौल में खाया। वहीं, इस मौके पर कई घरो में परिजनों की कालसर्प योग की शांति के लिए नाग देवता सहित ग्रह राहु- केतु की पूजा की गयी। इसके पूर्व पर्व पर रिमझिम बारिश के बीच अलसुबह छोटे गुरु का, बड़े गुरु का, नाग लो भई नाग लो की हांक लगा छोटे-छोटे बच्चे नाग देवता का चित्र बेचने के लिए हर गली मोहल्ले में घूमते रहे। लोग बड़े चाव से बच्चों से नाग देवता की तस्वीर खरीद पूजा पाठ करते रहे।

नागपंचमी पर काशी की पारंपरिक अखाड़ा संस्कृति भी जीवंत
पर्व पर परम्परानुसार सपेरे टोकरी (पिटारे में) में नाग लेकर लोगों को दर्शन कराके अच्छा खासा चढ़ावा भी पाते रहे ।

अरुणाचल की बाढ़ में औरैया का जवान लापता, विनोद की सलामती के लिए गांव में दुआए

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली जिले में शुक्रवार शाम भारी बारिश के बाद आई अचानक बाढ़ ने सेना के पाशु पानी आर्मी कैंप में तबाही मचा दी। तेज पानी के बहाव में 5वीं ग्रेनेडियर के दो शेल्टर बह गए। हादसे में सात जवान बाढ़ की चपेट में आ गए, जिनमें दो को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि पांच जवान अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। लापता जवानों में औरैया जिले के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र

के सराय अमिलिया गांव निवासी विनोद यादव भी शामिल हैं।
विनोद यादव महेंद्र यादव के पुत्र हैं। वह अग्निवीर योजना के शुरूआती बैच में सेना में भर्ती हुए थे और वर्तमान में 5वीं ग्रेनेडियर में तैनात थे। जवान के लापता होने की सूचना मिलते ही सराय अमिलिया गांव में चिंता का माहौल है। ग्रामीण लगातार उनके घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं और विनोद के सकुशल लौटने की प्रार्थना कर रहे हैं।
परिजनों के अनुसार, विनोद की शादी अप्रैल 2025 में इटावा जिले के जौली गांव निवासी सुनीता देवी से हुई थी। उनका छोटा भाई अभिषेक है, जबकि पिता महेंद्र यादव किसान हैं। बेटे के लापता होने की खबर के बाद से परिवार की निगाहें सेना के बचाव अभियान पर टिकी हैं। परिजन हर पल विनोद की सकुशल वापसी की उम्मीद लगाए हुए हैं।
सेना की ओर से लापता जवानों की तलाश के लिए 5वीं ग्रेनेडियर की दो खोज एवं बचाव टीमें घटनास्थल पर तैनात की गई हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र और आसपास लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। दुर्गम पहाड़ी इलाका, तेज बारिश और पानी का बहाव राहत एवं बचाव कार्य में चुनौती बने हुए हैं। इधर, सराय अमिलिया गांव में भी ग्रामीण सेना और प्रशासन से मिलने वाली हर सूचना पर नजर बनाए हुए हैं।

युवती समेत दो ने की आत्महत्या

नोएडा।
नोएडा के विभिन्न जगहों पर रहने वाले एक युवती और एक युवक ने मानसिक तनाव के चलते बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
थाना ईकोटेक -3 के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि गोविंद पुत्र अर्जुन सिंह मूल निवासी गोपालपुर थाना कमलागंज फरुर्खाबाद वर्तमान समय में हल्द्वानी गांव थाना ईकोटेक- 3 क्षेत्र में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि उनकी उम्र 25 वर्ष थी। उन्होंने बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। उनसे बातचीत करके आत्महत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं लिखा है।
थाना फेस -2 के प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कुमारी संगीता (24) पुत्री सुरजन सिंह मूल निवासी जनपद हाथरस वर्तमान समय मे थाना फेस-दो क्षेत्र के इलाहाबास गांव में रहती थी। उन्होंने बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर फॉरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट पहुंची। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लगा रही है।

देवकली धाम में उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बीहड़ क्षेत्र में यमुना नदी के किनारे स्थित प्रसिद्ध देवकली धाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार सुबह से ही शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर होते ही दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए और शिवलिंग पर जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में दिनभर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।
सैकड़ों श्रद्धालुओं ने यमुना नदी से जल लेकर देवकली धाम पहुंचकर भगवान शिव का अभिषेक किया। वहीं कांवड़ियों की टोलियां भी मंदिर पहुंचीं और शिवलिंग पर जल चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। कांवड़ियों के पहुंचने से मंदिर परिसर में विशेष उत्साह देखने को मिला।
श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। मंदिर परिसर के अलावा आसपास के प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में जुटे रहे।
यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए यातायात पुलिस की भी तैनाती की गई। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार मंदिर परिसर और आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों की निगरानी में श्रद्धालुओं को दर्शन और जलाभिषेक के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

इटावा में मां-बेटी की गला रेतकर हत्या

इटावा।
उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में थाना भरथना क्षेत्र के अंतर्गत चन्देठी गांव में मां-बेटी की हत्या कर दी गई। एक का शव आंगन और दूसरा शव चारपाई पर पड़े मिले। सूचना पर पहुंची पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण कर शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के आला अधिकारी घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे हैं।
गांव के ही रहने वालें अजीत सिंह ने बताया कि वह इस घर में रोजाना दूध देने आते है। वह कल भी आए थे और दरवाजा खटखटाते रहे लेकिन दरवाजा नहीं खुला और आज भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने मृतक के बेटे को फोन कर बताया जिसके बाद उसके कहने पर वह ग्रामीणों के साथ घर के पीछे वाले दरवाजे से अन्दर घुसा तो अंदर मां पुष्पा देवी का शव चारपाई और बेटी निर्मला देवी का शव आंगन में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई ।

दस हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल

शाहजहांपुर।
उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर के थाना जैतीपुर क्षेत्र में रविवार देर रात पुलिस और दस हजार के इनामी बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया जबकि उसका एक साथी रात के अंधेरे में फरार हो गया।
अपर पुलिस अधीक्षक (देहात) भंवरे दीक्षा ने सोमवार को बताया कि रविवार रात जैतीपुर पुलिस गस्त पर थी। टीम ने मरूआझाला पुलिया के पास मोटरसाइकिल से आ रहे दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकना चाहा तो मोटरसाइकिल सवार ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाले मनकामेश्वर महादेव, यमुना तट पर हैं विराजमान

प्रयागराज।
विश्व प्रसिद्ध संगम नगरी प्रयागराज की धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान यहां स्थित प्राचीन मंदिरों से भी जुड़ी है। यमुना नदी के तट पर सरस्वती घाट के समीप स्थित मनकामेश्वर मंदिर भगवान शिव के प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिरों में शामिल है। श्रद्धालुओं के बीच यह मंदिर सिद्धपीठ के रूप में आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से भगवान शिव की आराधना करने वाले भक्त की मनोकामना पूरी होती है। श्रावण मास में मंदिर में विशेष धार्मिक वातावरण रहता है और दूर-दूर से श्रद्धालु भगवान मनकामेश्वर का

दर्शन एवं जलाभिषेक करने पहुंचते हैं।

वनवास के दौरान भगवान राम ने की थी शिव आराधना
मंदिर से जुड़ी पौराणिक मान्यता भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़ी है। मान्यता है कि त्रेतायुग में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ प्रयाग आए थे। संगम में स्नान और पूजन के बाद माता सीता ने भगवान शिव की पूजा करने की इच्छा व्यक्त की। इसके बाद भगवान श्रीराम ने यहां शिवलिंग की स्थापना कर उसकी पूजा-अर्चना की थी। इसी पौराणिक परंपरा के कारण मनकामेश्वर मंदिर को अत्यंत प्राचीन और विशेष धार्मिक महत्व वाला माना जाता है। मंदिर के पुजारी महंत ब्रह्मचारी धरानंद महाराज बताते हैं कि मनकामेश्वर महादेव की महिमा सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र रही है। उनके अनुसार मंदिर में भगवान शिव की आराधना करने से भक्तों को मानसिक शांति मिलती है और सच्चे मन से की गई प्रार्थना भगवान शिव तक अवश्य पहुंचती है।

नाम में ही छिपा है मंदिर का महत्व
मनकामेश्वर नाम अपने आप में मंदिर की धार्मिक मान्यता को स्पष्ट करता है। 'मन' अर्थात इच्छा और 'कामेश्वर' अर्थात इच्छाओं को पूर्ण करने वाले भगवान शिव। इसी कारण श्रद्धालुओं में विश्वास है कि बाबा मनकामेश्वर के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना पूरी होती है। यही आस्था इस मंदिर को प्रयागराज के प्रमुख शिवालयों में विशेष स्थान प्रदान करती है।

एक परिसर में तीन पावन शिवलिंग
मनकामेश्वर मंदिर की एक विशेषता यह भी है कि मंदिर परिसर में मुख्य मनकामेश्वर महादेव के साथ सिद्धेश्वर महादेव और ऋणमुक्तेश्वर महादेव के भी पावन शिवलिंग विराजमान हैं। श्रद्धालु तीनों शिवलिंगों का दर्शन और पूजन करते हैं। लोकमान्यता के अनुसार ऋणमुक्तेश्वर महादेव की पूजा करने से भक्तों को कर्ज और आर्थिक परेशानियों से मुक्ति का आशीर्वाद मिलता है।

वाराणसी में रिंगरोड पर बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़,घायल समेत दो को दबोचा

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात रिंग रोड पर चेकिंग के दौरान पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से हुई फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि पुलिस ने उसके साथी को भी घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से दो .315 बोर के तमंचे, कारतूस, 75 हजार रुपये नकद, पीली धातु के गले हुए आभूषण और मोबाइल फोन बरामद किए हैं।
गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोरखपुर के चिउटहा (चिउराताल) निवासी प्रद्युम्न मल

उर्फ प्रतीक और बुद्ध विहार, तारामंडल रामपुर निवासी वेद प्रकाश दुबे उर्फ मोंटी के रूप में हुई है। मुठभेड़ में प्रद्युम्न के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।
एडीसीपी लिपि नागायच के अनुसार, रविवार देर रात लालपुर पांडेयपुर पुलिस की टीम रिंग रोड पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पल्सर बाइक से दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए।
पुलिस ने उन्हें रुकने का संकेत दिया, लेकिन दोनों बाइक की रफ्तार बढ़ाकर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया तो एक बदमाश बाइक से उतरकर पुलिस पर फायरिंग करने लगा। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उसके पैर में गोली लग गई। वहीं, दूसरे बदमाश को पुलिस टीम ने पीछा कर गिरफ्तार कर लिया।
सूचना मिलते ही एडीसीपी लिपि नागायच और एसीपी कैंट अपूर्व पांडेय भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के साथ ही गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है।

अलग - अलग स्थानों पर मिले दो अज्ञात शव

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोएडा में अलग-अलग जगहों पर दो अज्ञात लोगों का शव मिला है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा। वहीं आसपास के लोग इसे हत्या का मामला बता रहे हैं।
पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी उमेश नैथानी ने बताया कि थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास 16 अगस्त की रात को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष है। आसपास के लोगों और सोशल मीडिया से जानकारी हासिल कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। उसके दाहिने हाथ की कलाई पर अंग्रेजी में संजू लिखा है। शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा।
मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के सेक्टर 62 गोल चक्कर के पास 16 अगस्त की रात को एक अज्ञात व्यक्ति का शव होने की सूचना प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सावन के तीसरे सोमवार पर लोधेश्वर में उमड़ा आस्था का सैलाब, हर-हर महादेव से गूंजा महादेवा मंदिर

बाराबंकी।
सावन मास के तीसरे सोमवार पर प्रसिद्ध तीर्थस्थल लोधेश्वर महादेवा में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार शाम से ही प्रदेश के विभिन्न जिलों से श्रद्धालुओं और कांवड़ियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। देर रात तक पूरा मेला क्षेत्र शिवभक्तों से खचाखच भर गया। अर्धरात्रि से ही मंदिर के कपाट खोल दिए गए और हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया।
लखनऊ, उन्नाव, कानपुर, झांसी, उरई, जालौन, एटा, इटावा, मैनपुरी, कन्नौज, हमीरपुर, रायबरेली, सीतापुर, बहराइच, गोंडा और अयोध्या समेत प्रदेश के तमाम

जिलों से श्रद्धालु दुपहिया व चौपहिया वाहनों से महादेवा पहुंचे। बड़ी संख्या में शिवभक्त ट्रेनों से बुढ़वल जंक्शन पहुंचकर वहां से महादेवा के लिए रवाना हुए। हजारों युवाओं ने डाक कांवड़ के माध्यम से भी बाबा लोधेश्वर के दरबार में पहुंचकर जलाभिषेक किया।

पट खुलते ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़
भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर के कपाट अर्धरात्रि से ही श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। पट खुलते ही जालीदार बैरिकेडिंग के बीच लंबी कतारों में खड़े शिवभक्त जयघोष करते हुए मंदिर की ओर बढ़ने लगे। भोर होते-होते मंदिर परिसर और आसपास के मार्गों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती चली गई। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा महादेवा क्षेत्र शिवमय हो गया।

रात से ही मोर्चे पर डटे रहे अधिकारी
श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय समेत प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी रविवार रात से ही मेला क्षेत्र में कैंप करते रहे। अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी, एसडीएम आकांक्षा गुप्ता, सीओ गरिमा पंत और तहसीलदार विपुल कुमार सिंह ने भी लगातार सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की।
प्रवेश द्वार पर एसडीएम आकांक्षा गुप्ता, एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी, सीओ गरिमा पंत और तहसीलदार विपुल कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ स्वयं व्यवस्था संभाले रहे। थाना प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार सिंह, इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र यादव और महादेवा चौकी प्रभारी रजनीश पांडेय भी पुलिसकर्मियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहे। छह सीओ, दो दर्जन से अधिक इंस्पेक्टर व थाना प्रभारी सहित हजारों पुलिसकर्मियों को मेला क्षेत्र में तैनात किया गया। एक पीएसी बटालियन को भी सुरक्षा में लगाया गया।

संक्षिप्त समाचार

न्यूज़ीलैंड में आया 5.9 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप (साउथ आइलैंड) के पश्चिमी तट पर गुरुवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद अधिकारियों ने सुनामी का अलर्ट जारी करते हुए लोगों से तुरंत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र ते अनाउ शहर से करीब 42 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम में था। भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर के आसपास दर्ज किया गया। इसकी गहराई करीब 76.4 किलोमीटर थी। न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोग बिना देरी किए सुनामी निकासी क्षेत्रों से बाहर निकलें और नजदीकी ऊंचे स्थान या जितना संभव हो सके, अंदरूनी इलाके की ओर चले जाएं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। न्यूजीलैंड के नागरिक सुरक्षा विभाग ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, फियोर्डलैंड के पास रात 9 बजकर 14 मिनट पर आए 5.9 तीव्रता के भूकंप के बाद न्यूजीलैंड के तटीय इलाकों में तेज और असामान्य समुद्री लहरें तथा तट पर अचानक पानी बढ़ने जैसी स्थिति देखने को मिल सकती है।

बंगाल की खाड़ी में दो नावें डूबीं, 500 मौतों की आशंका

रखाइन, एजेंसी। म्यांमार में हिंसा से बचकर भाग रहे 500 से ज्यादा लोगों के समुद्र में लापता होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों के मुताबिक, म्यांमार के तट के पास खराब मौसम में दो नावें गायब हो गईं। इनमें सवार ज्यादातर लोग रोहिंग्या समुदाय के थे। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन और संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी) ने संयुक्त बयान में बताया कि दोनों नावें जून के आखिर में म्यांमार के पश्चिमी रखाइन राज्य से रवाना हुई थीं। पहली नाव में करीब 250 लोग सवार थे। रवाना होने के कुछ ही समय बाद उससे संपर्क टूट गया। दूसरी नाव में करीब 280 यात्री सवार थे और माना जा रहा है कि वह 8 जुलाई को म्यांमार के अयेयारवाडी तट के पास डूब गई। रोहिंग्या म्यांमार के रखाइन राज्य का एक मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय है। दशकों से यह समुदाय सरकारी उत्पीड़न, हिंसा और भेदभाव का सामना कर रहा है। म्यांमार की बौद्ध बहुसंख्यक सरकार और वहां के स्थानीय लोग रोहिंग्याओं को म्यांमार का मूल निवासी नहीं मानते। उनका दावा है कि ये लोग ब्रिटिश शासनकाल के दौरान बांग्लादेश (तत्कालीन बंगाल) से आए अवैध अप्रवासी हैं। उन्हें आधिकारिक तौर पर 'बंगाली' कहकर पुकारा जाता है। रोहिंग्या समुदाय का कहना है कि वे रखाइन क्षेत्र में आठवीं सदी या उससे भी पहले से रह रहे हैं और वे वहीं के मूल निवासी हैं। साल 1982 में रोहिंग्याओं को नागरिकता देने से इनकार कर दिया गया। इसके कारण वे बिना किसी देश के नागरिक बन गए। उन्हें बुनियादी अधिकार जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, यात्रा और शादी करने तक की आजादी नहीं है। करीब 12 लाख रोहिंग्या फिलहाल बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। ये लोग म्यांमार की सेना की हिंसा से बचकर वहां पहुंचे थे। हाल के वर्षों में अमेरिका और अन्य देशों की विदेशी सहायता में कटौती के कारण इन शिविरों में खाद्य राशन भी कम कर दिया गया है। रोहिंग्या शरणार्थियों के पास सुरक्षित तरीके से म्यांमार लौटने का कोई रास्ता नहीं है। 2017 में म्यांमार की सेना पर रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा करने के आरोप लगे थे, जिसे कई देशों ने नरसंहार (जेनोसाइड) माना है। जो रोहिंग्या अब भी म्यांमार में रह रहे हैं, उन्हें कड़ी पाबंदियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से कई लोग नजरबंदी शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

इमरान के जेल में तीन वर्ष पूरे होने पर पीटीआई करेगी विरोध प्रदर्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने पांच अगस्त को

देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। यह प्रदर्शन उनके नेता के जेल में तीन साल पूरे होने के मौके पर किया जाएगा। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन पांच अगस्त से शुरू होगा और तब तक जारी रहेगा जब तक उनके नेता को रिहा नहीं किया जाता। इस दौरान देशभर में रैलियां निकाली जाएंगी। तीन वर्ष से जेल में बंद हैं इमरान खान इमरान खान (73) इस समय रावलपिंडी की अदियाला जेल में एकांत कारावास में बंद हैं। उन्हें पांच अगस्त 2023 को इस्लामाबाद की एक निचली अदालत द्वारा तोशाखाना केस में भ्रष्टाचार का दोषी ठहराने के बाद गिरफ्तार किया था। उन्हें कई अन्य मामलों में भी गिरफ्तार किया गया और दोषी ठहराया गया, जिसकी वजह से वह लगातार जेल में हैं। पार्टी के महासचिव सलमान अकरम राजा ने अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से कहा, पांच अगस्त को खान के जेल में बंद होने के तीन साल पूरे हो जाएंगे।

कनाडा में जंगल की आग के बीच फंसी ट्रेन: ट्रक से भिड़ंत, कर्मचारियों ने पैदल भागकर जान बचाई; घटना का वीडियो वायरल

ओंटारियो, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भीषण जंगल की आग के बीच कैनेडियन नेशनल रेलवे के कर्मचारी मौत के बेहद करीब पहुंच गए। धुएं के कारण विजिबिलिटी लगभग खत्म हो गई थी। इसी दौरान एक ट्रक में आग लग गई और वह ट्रेन से टकरा गया। हालांकि, सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में ट्रेन के इंजन की खिड़कियों के बाहर चारों ओर जंगल में आग की ऊंची लपटें दिखाई देती हैं। आसमान नारंगी रंग का नजर आता है और कर्मचारी तत्काल निकासी की मांग करते सुनाई देते हैं। वीडियो में ट्रेन के दोनों ओर जंगल धधकते दिखाई दे रहे हैं, जबकि ट्रेन के कर्मचारी वायरलेस पर मदद मांगते सुनाई देते हैं। वीडियो में एक कर्मचारी कहता है, 'आग कभी भी हमें अपनी चपेट में ले सकती है। अब हालात डराने वाले हो गए हैं।' यह घटना ओंटारियो के आर्मस्ट्रॉन्ग इलाके के पास हुई, जहां ट्रेन जलते हुए पेड़ों के बीच से गुजर रही थी। सीएन रेलवे के अनुसार, घने धुएं के बीच एक ट्रक आग की चपेट में आ गया और ट्रेन से टकरा गया। इसके बाद सभी कर्मचारी पैदल ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। हालांकि, किसी भी कर्मचारी को चोट नहीं आई।

कनाडा में जंगल की आग से जुड़े 3 फोटोज : कनाडा में 838 जगहों पर आग लगी : घटना के बाद सीएन रेलवे ने एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाके में सभी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। कंपनी ने आर्मस्ट्रॉन्ग कस्बे के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। यह इलाका उत्तर-पश्चिमी ओंटारियो में जंगल की आग से प्रभावित है। कनाडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर के अनुसार, इस समय पूरे कनाडा में 838 जगहों पर जंगलों में आग लगी हुई है। वहीं अमेरिका की सीमा से लगे मिनेसोटा राज्य में भी एक दर्जन से ज्यादा जंगलों में आग जल रही है। इसकी वजह भीषण गर्मी, सूखा और तेज हवाएं बताई गई हैं। प्रदेश में करीब 150 जगहों पर जंगल की आग जल रही हैं। कई समुदायों में अनिवार्य निकासी के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में प्रतिबंधित अग्नि क्षेत्र लागू कर दिया है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा आपातकालीन जरूरत का सामान तैयार रखने की अपील की है।

कनाडा का टोरंटो दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना : कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो शहर में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो गई, जिसके बाद अधिकारियों ने लोगों को घर के अंदर रहने और बाहर निकलने पर ज्यादा शारीरिक मेहनत से बचने की सलाह दी। वैश्विक एयर क्वालिटी पर नजर रखने वाली कंपनी आईक्यूएयर ने बुधवार को टोरंटो को दुनिया का सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बताया। इस सूची में टोरंटो के बाद किंशासा, दिल्ली, दुबई और यरुशलम का स्थान रहा। खराब हवा के कारण टोरंटो में बुधवार को इंग्लैंड और अर्जेंटीना के विश्व कप मैच के लिए आयोजित खुले मैदान के फैन इवेंट रद्द कर दिए गए। बच्चों के लिए बनाए गए खुले पानी के पूल भी बंद कर दिए गए।

अमेरिका की तरफ बढ़ रहा जंगल का धुआं : उधर जंगलों की आग का धुआं अब अमेरिका की ओर भी बढ़ रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार से इसका असर अमेरिका के कई इलाकों में दिखाई देना शुरू हो गया है। हालांकि भीषण गर्मी का दौर अब धीरे-धीरे कम हो रहा है और विस्कॉन्सिन तथा मिनेसोटा राज्यों में जारी हीट वेव की चेतावनी गुरुवार रात तक समाप्त होने की उम्मीद है। इसके बावजूद विशेषज्ञों का कहना है कि खराब हवा का असर लाखों लोगों पर पड़ेगा। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है।

कनाडा की पर्यावरण एजेंसी ने चेतावनी दी है कि धुएं के कारण आंखों, नाक और गले में जलन, सिरदर्द और हल्की खांसी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। गंभीर मामलों में सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ या तेज खांसी हो सकती है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी गई है। धुएं का असर अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर तक भी पहुंच गया है। रविवार को न्यू जर्सी में फीफा विश्व कप फाइनल होना है, लेकिन उससे पहले ही न्यूयॉर्क और आसपास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता खराब हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से बाहर ज्यादा मेहनत वाले काम न करने और जरूरत पड़ने पर बीच-बीच में आराम करने की सलाह दी है।

बलूचिस्तान में बीएलए ने उड़ाई पाक सेना की बस; 45 सैनिकों की मौत का दावा, शहबाज-मुनीर के उड़े होश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा स्थिति बेकाबू होती जा रही है। प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने मस्तुंग जिले के खडकोचा इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक बड़े काफिले पर घातक हमला किया है। संगठन के मुताबिक, इस हमले में 45 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

'फतह स्क्वाड' का खूनी अभियान : बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच के अनुसार, इस हमले को संगठन की विशेष 'फतह स्क्वाड' ने अंजाम दिया है। हमलावरों ने न केवल सैन्य बस को बम से उड़ाया, बल्कि मौके पर पहुंची अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियों के साथ भी घंटों तक खूनी मुठभेड़ की। संगठन का दावा है कि संघर्ष में दर्जनों सैनिक घायल हुए हैं और मृतकों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इन मौतों की पुष्टि नहीं की है।

दशकों पुरानी नाराजगी : बलूचिस्तान में जारी इस संघर्ष की जड़ें दशकों पुरानी हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि उनका प्रांत खनिज संसाधनों से समृद्ध है, लेकिन इस्लामाबाद की सरकार उनके संसाधनों को पंजाब और अन्य प्रांतों के विकास के लिए लूट रही है। बलूच लोग इस लड़ाई को अपनी आजादी और प्राकृतिक संपदा को बचाने का संघर्ष मानते हैं, जबकि पाकिस्तान इन्हें भारत और अफगानिस्तान समर्थित आतंकी गुट करार देता है। संकट केवल बलूचिस्तान तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (क्क्षद्भय) में भी स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिख रही है। यहां पाकिस्तान से आजादी की मांग को लेकर विभिन्न हिस्सों से विरोध प्रदर्शनों का कारवां निकल रहा है। इस बढ़ती बगावत को कुचलने के लिए पाकिस्तान सरकार ने क्क्षद्भय में 8,000 अतिरिक्त रेंजर्स की तैनाती की है। पाकिस्तानी सेना या सरकार की ओर से अभी तक इन दावों और मौतों के आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट और क्क्षद्भय में जारी विरोध प्रदर्शनों से जूझ रहा है। इन हमलो ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि संसाधनों की कमी और आंतरिक विद्रोह पाकिस्तान को एक बड़े विखंडन की ओर धकेल रहे हैं।

गणेश के आत्मदाह से हिली नेपाल सरकार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू की सड़कों पर इन दिनों भारी उबाल है। वजह है 25 साल के एक युवक की दर्दनाक मौत, जिसने सिस्टम की बेरुखी और कर्ज के तनाव में आकर सरेआम खुद को आग के हवाले कर दिया। गणेश नेपाली नाम का यह युवक अब बालेन्द्र शाह सरकार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों का सबसे बड़ा चेहरा बन गया है। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए हैं कि बढ़ते बवाल को देखते हुए चल रहे संसद सत्र तक को स्थगित करना पड़ा है। जेन-जी यानी युवा वोटर्स के भारी समर्थन से महज चार महीने पहले सत्ता में आई बालेन्द्र शाह की सरकार के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा संकट बन गया है। घटना 10 जुलाई की है। गणेश नेपाली एक राइड-शेयरिंग ऐप के लिए बाइक चलाकर अपने परिवार का पेट पालता था। काठमांडू में पासपोर्ट विभाग के बाहर कथित तौर पर रास्ता ब्लॉक करने के आरोप में पुलिस ने उसकी मोटरसाइकिल के पहियों पर क्लैंप लगा दिया। मोटरसाइकिल ही उसकी रोजी-रोटी का इकलौता साधन थी। इस बात पर उसकी एक अधिकारी से तीखी बहस हो गई और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस की इस कार्रवाई से गणेश इस कदर टूट गया कि उसने अपनी ही बाइक से पेट्रोल निकाला, खुद पर छिड़का और आग लगा ली। 60% से ज्यादा जल चुके गणेश को तुरंत एक टॉप अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन जिंदगी और मौत के बीच एक दिन की जंग लड़ने के बाद उसने दम तोड़ दिया। गणेश का परिवार नेपाल के एक बेहद पिछड़े इलाके 'मुगु' से आता है। उसके माता-पिता सीमांत किसान हैं जो सरकारी पेंशन के सहारे गुजर-बसर करते हैं। बड़े भाई मदन नेपाली के मुताबिक गणेश ने यह बाइक लोन पर ली थी और उसकी अगली किस्त की तारीख बेहद करीब थी। पुलिस द्वारा बाइक जब्त किए जाने के बाद उसे किस्त चुकाने और परिवार पालने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था, जिससे वह गहरे तनाव में चला गया। दोनों भाई दलित समुदाय से हैं। मदन खुद सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा धारक होने के बावजूद काठमांडू में मजदूरी करने को मजबूर है। दोनों भाइयों का सपना पैसे जोड़कर खाड़ी देशों और फिर जापान या दक्षिण कोरिया जाने का था। इस घटना के बाद नेपाल में पहले से चल रहे कई विरोध प्रदर्शनों को और हवा मिल गई।

चीन ने चुराया 22 करोड़ वोटर्स का डेटा, चुनाव में सेंधमारी; डोनाल्ड ट्रंप ने लगाया बड़ा इल्जाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चीन पर बड़ा इल्जाम लगाया है। गुरुवार को ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में एक बार फिर चीन की दखलअंदाजी का दावा किया। उन्होंने इसे साबित करने के लिए कुछ संवेदनशील खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की बात कही है। खास बात यह है कि ट्रंप का यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के दावे के बिल्कुल उलट है। खुफिया एजेंसियों ने साफ किया था कि 2020 के चुनावों में चीन की दखलंदाजी के खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले हैं।

बता दें कि ट्रंप का यह 25 मिनट का संबोधन आगामी नवंबर में होने वाले मिडटर्म इलेक्शन से ठीक पहले आया है। इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के सामने संसद के दोनों सदनों में अपना बहुमत बचाने की बड़ी

चुनौती है। इससे पहले ट्रंप ने चुनावी धांधली को लेकर एक बात फिर बहस छेड़ दी है।

चीन ने चुराया 22 करोड़ वोटर्स का डेटा : डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उनके द्वारा सार्वजनिक की गई संवेदनशील जानकारियों से पता चलता है कि चीन ने अवैध रूप से 22 करोड़ अमेरिकी मतदाताओं की फाइलें हासिल कर ली थीं। ट्रंप के मुताबिक इन फाइलों में मतदाताओं के नाम, पते और वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए इस्तेमाल होने वाला अन्य डेटा शामिल था। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी से जुड़े लोगों ने चीन की इन गतिविधियों की गंभीरता से जुड़ी जानकारियों को जानबूझकर दबाया और छिपाया। ट्रंप के इस भाषण से पहले ही चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू चांग ने अपनी प्रतिक्रिया में साफ कहा, 'चीन ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनावों में कभी हस्तक्षेप नहीं किया है और न ही कभी करेगा।' हालांकि ट्रंप के इस कदम से दोनों देशों के उन रिश्तों में फिर से खटास आने का खतरा पैदा हो गया है। इससे पहले पिछले साल ट्रेड वॉर के बाद संबंध अभी पटरी पर लौटने के संकेत मिले थे। ट्रंप बीते दिनों व्यापार संबंधों को सुधारने के लिए खुद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने चीन भी पहुंचे थे। हालांकि अब उनके इस दावे से बात बिगड़ सकती है। दूसरी तरफ, अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने भी ट्रंप का दावा खारिज किया है। हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमेटी ऑन इंटेलिजेंस के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने कार्यवाहक राष्ट्रीय खुफिया निदेशक बिल पुल्टे, FBI, CIA और ह्रू के प्रमुखों को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चेतावनी दी कि ट्रंप को चुनावी सुरक्षा के बारे में झूठे दावों का समर्थन करने के लिए खुफिया जानकारियों को हथियार बनाने की अनुमति न दी जाए। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने भी आरोप लगाया कि इसके जरिए ट्रंप सरकार नवंबर के चुनावों में हेरफेर करने की कोशिश कर सकता है। गौरतलब है कि जनवरी 2025 में दोबारा सत्ता में लौटने के बाद से ही ट्रंप चुनावों पर केंद्रीय नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप हाल के महीनों में सीनेट के रिपब्लिकन सदस्यों पर 'सेव अमेरिका एक्ट' पारित करने का भी दबाव बना रहे हैं।

यूएस की कार्रवाई का ईरान ने दिया करारा जवाब, बहरीन-कुवैत पर ताबड़तोड़ हवाई हमले, खाड़ी देशों में मचा हड़कंप

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक बार फिर बारूद के ढेर पर बैठा नजर आ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी वर्चस्व की जंग ने अब एक खतरनाक मोड़ ले लिया है। कल गुरुवार को अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के उत्तरी क्षेत्रों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पुलों पर भीषण हमले किए जाने के बाद, तेहरान ने भी अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। जवाब में ईरान ने आज शुक्रवार तड़के खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगी देशों बहरीन, कतर और कुवैत पर जबरदस्त हवाई हमले किए हैं।

शांति समझौता टूटा : हैरानी की बात यह है कि अभी कुछ ही समय पहले दोनों देशों के बीच तनाव कम करने के लिए एक शांति समझौता हुआ था, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में जारी सैन्य गतिविधियों और एक-दूसरे के खिलाफ अविश्वास ने इस समझौते को चंद दिनों में ही मटियामेट कर दिया। अमेरिका ने बुधवार को ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक घेराबंदी फिर से लागू कर दी, जिससे हालात बेकाबू हो गए। अमेरिकी अधिकारियों का तर्क है कि वे ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के लिए हमलों का दूसरा दौर शुरू कर चुके हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, अमेरिकी हवाई हमलों में अब तक भारी तबाही हुई है। दक्षिणी होर्मुजगन प्रांत में पुलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों में कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि ताजा अमेरिकी हमलों में अब तक 35 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और 300 से अधिक घायल हुए हैं। ईरान के कई प्रांत जैसे सेमनन, हमदान, खुजेस्तान और सिस्तान-बलूचिस्तान अमेरिकी हमलों की जद में आए हैं। बंदर अब्बास शहर के रिहायशी इलाकों और रेलवे जंक्शन पर हुए हमलों में भी कई लोग घायल हुए हैं।

ईरान ने दी बुनियादी ढांचे पर हमले की धमकी : ईरानी सेना के कर्नल इब्राहिम ज़ोलफ़गारी ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज ईरान की अभेद्य 'रेड लाइन' है और इसमें किसी भी विदेशी दखल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ईरान ने धमकी दी है कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर उनके बिजली संयंत्रों या पुलों पर हमले जारी रहे, तो ईरान पूरे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हमला करेगा। इससे पहले होर्मुज के बंद होने से वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल देखा जा चुका है। इसी बीच रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने यमन के हूती विद्रोहियों को भी रेड सी के तेल मार्ग को बंद करने के लिए कहा है। यदि मौजूदा तनाव और बढ़ता है, तो दुनिया एक बार फिर भीषण ऊर्जा संकट की चपेट में आ सकती है। फिलहाल, खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और क्षेत्र में युद्ध के बादल घने होते जा रहे हैं।

जेलेंस्की ने किया नेतृत्व में बड़ा बदलाव सेरगी कोरेत्स्की बने यूक्रेन के नए प्रधानमंत्री

कीव, एजेंसी। रूस के साथ जारी भयंकर युद्ध के बीच यूक्रेन की राजनीति में एक बहुत बड़ा और बेहद अहम बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सबसे खास और ऊर्जा क्षेत्र के दिग्गज माने जाने वाले 48 वर्षीय सेरगी कोरेत्स्की देश के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। गुरुवार को यूक्रेन की संसद में हुए व्यापक मतदान के दौरान 289 सांसदों ने उनकी नियुक्ति को अपनी अंतिम और आधिकारिक मंजूरी दे दी। ऊर्जा क्षेत्र में महारत रखने वाले कोरेत्स्की की यह महत्वपूर्ण नियुक्ति जेलेंस्की सरकार के बड़े और रणनीतिक फेरबदल का एक प्रमुख हिस्सा है। इस बड़े बदलाव का मुख्य मकसद युद्ध के इस मुश्किल दौर में देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को और ज्यादा मजबूत करना है। राष्ट्रपति जेलेंस्की पिछले कुछ महीनों से सरकार के विभिन्न विभागों में लगातार बड़े स्तर पर कई कड़े फेरबदल कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आगामी सर्दियों में युद्ध प्रभावित देश को संभालने के लिए कोरेत्स्की सबसे सही और मजबूत विकल्प हैं। संसद में मतदान से ठीक पहले कोरेत्स्की ने भी देश की सुरक्षा व्यवस्था सुधारने और यूरोपीय संघ में शामिल होने की प्रक्रिया तेज करने की बात मजबूती से कही थी। संसद को संबोधित करते हुए नए प्रधानमंत्री ने सांसदों के सामने अपनी तीन सबसे बड़ी प्राथमिकताओं का विस्तार से खुलासा किया। उन्होंने कहा कि रूस के खिलाफ यूक्रेन की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करना उनकी सबसे पहली जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही युद्धग्रस्त देश में वापस आर्थिक

स्थिरता लाना और यूरोपीय संघ में शामिल होने की प्रक्रिया को तेज करना उनका मुख्य लक्ष्य है।

कौन हैं नए पीएम सेरगी कोरेत्स्की : पेशे से इंजीनियर और अर्थशास्त्री सेरगी कोरेत्स्की अब तक किसी भी राजनीतिक दल या सत्ता की राजनीति से पूरी तरह से दूर रहे हैं। उनके पास सरकार चलाने का कोई पूर्व अनुभव नहीं है लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में उनका दो दशक का काम उन्हें खास बनाता है। वह मई 2025 से सरकारी ऊर्जा दिग्गज कंपनी नैफ्तोगाज के सीईओ के रूप में देश का गैस उत्पादन, आयात और वितरण पूरी तरह संभाल रहे थे। इससे पहले वह यूक्रेन की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी उक्रनाफ्टा के प्रमुख पद की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। अपने शुरुआती करियर में कोरेत्स्की ने वेस्टर्न ऑयल ग्रुप का नेतृत्व किया और कॉन्टिनम ग्रुप के सीईओ के तौर पर भी काम किया। उन्होंने देश की प्रमुख ईंधन स्टेशन चेन का भी सफल प्रबंधन किया जिससे उन्हें जमीन स्तर का बहुत अच्छा प्रबंधन अनुभव प्राप्त हुआ। पश्चिमी शहर लुत्स्क में जन्मे इस दिग्गज नेता ने निजी क्षेत्र में भी खूब हाथ आजमाया और अपनी एक सफल कॉफी चेन व्यवसाय भी शुरू किया था।

ट्रंप सरकार का बड़ा फैसला, विदेशी छात्रों के लिए अमेरिका में 4 साल की समय सीमा तय

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सरकार ने विदेशी छात्रों के लिए एक बहुत बड़ा और सख्त फैसला लिया है। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को एक नया अंतिम नियम जारी किया है जिससे पुरानी व्यवस्था खत्म होगी। दशकों पुरानी व्यवस्था के तहत विदेशी छात्र बिना किसी तय अंतिम तारीख के अमेरिका में रह सकते थे। लेकिन अब उनकी एंट्री सिर्फ एक तय समय सीमा के लिए ही होगी और उन्हें नए नियमों का पालन करना होगा।

इस नए फैसले का सीधा असर भारत समेत पूरी दुनिया से अमेरिका जाने वाले लाखों विदेशी छात्रों पर पड़ेगा। वीजा बढ़ाने के लिए अब छात्रों को केंद्र सरकार की एक अनिवार्य और बहुत ही कड़ी जांच से गुजरना पड़ेगा। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने बताया कि गैर-आप्रवासी वीजा की कई विशेष श्रेणियों के लिए नए नियम लागू होंगे। इस नियम से इमिग्रेशन सिस्टम में भारी सुधार लाने और वीजा के गलत इस्तेमाल को पूरी तरह रोकने की कोशिश है।

चार साल की समय सीमा : डीएचएस के अनुसार एफ, जे और आई श्रेणियों के लिए लागू 'ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस' व्यवस्था अब खत्म कर दी गई है। विदेशी छात्रों और एक्सचेंज विजिटर्स को अब उनके स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार ही अमेरिका में रहने की अनुमति मिलेगी। यह अवधि अब अधिकतम चार साल तक की ही होगी जिससे ज्यादा समय तक कोई भी छात्र वहां नहीं रुक

पाएगा। यह नीति ट्रंप प्रशासन की उस व्यापक कोशिश का अहम हिस्सा है जिसमें इमिग्रेशन नियमों को सख्त किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और जांच : डीएचएस सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा कि आधी सदी से चली आ रही पुरानी व्यवस्था ने राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया था। उन्होंने यह भी कहा कि इस पुरानी व्यवस्था की वजह से ही देश में इमिग्रेशन धोखाधड़ी के लिए बहुत सारे रास्ते खुले थे। कई विदेशी छात्र अमेरिका में बिना तय समय सीमा के रहते थे और बार-बार नए कोर्स में दाखिला लेकर बने रहते थे। अब समय सीमा तय होने से सरकार सुनिश्चित करेगी कि लोगों की जांच हो और वे अपनी पढ़ाई के बाद लौट जाएं।

वीजा बढ़ाने की नई प्रक्रिया : 1978 से विदेशी छात्रों को अमेरिका में रहने के लिए कोई तय अवधि नहीं दी जाती थी जिससे वे लंबे समय तक रुकते थे। नए नियम के बाद वीजा बढ़ाने का अधिकार अब शैक्षणिक संस्थानों की जगह सीधे संघीय सरकार के पास चला जाएगा। अगर किसी छात्र को कार्यक्रम पूरा करने के लिए ज्यादा समय चाहिए तो उसे यूएससीआईएस के पास आवेदन करना होगा। इस नई प्रक्रिया में बायोमेट्रिक जांच, सख्त बैकग्राउंड चेक और किसी भी तरह की धोखाधड़ी की पूरी जांच शामिल होगी।

नियम लागू होने की शर्तें : इस नियम के तहत एफ-1 छात्रों के लिए कॉलेज या स्टेटस बदलने के बाद अमेरिका छोड़ने की छूट घटा दी गई है। यह छूट की अवधि पहले 60 दिन थी जिसे अब घटाकर मात्र 30 दिन कर दिया गया है जिससे नियम सख्त हो गए हैं। डीएचएस ने बताया कि यह अंतिम नियम फेडरल रजिस्टर में जल्द प्रकाशित होगा और 60 दिन बाद पूरी तरह लागू होगा। जो विदेशी छात्र पहले से वहां रह रहे हैं उनका प्रवास भी नियम लागू होने की तारीख से चार साल तक सीमित होगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया। इसके बाद सैम वार्ड ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त 2-0 कर दी। सैमुअल हूपर ने 31वें मिनट में तीसरा और जेम्स एलबरी ने 47वें मिनट में चौथा गोल किया। पाकिस्तान की ओर से रेहान अब्दुल अफराज ने 50वें मिनट में एक गोल किया।पाकिस्तान को मैच में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

बेलफास्ट (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे। अटल ने 98 रन बनाए और शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। उनके आउट होने के बाद भी रहमत शाह एक छोर पर टिके रहे।रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल के बीच तीसरे विकेट के लिए 210 गेंदों पर 201 रन की साझेदारी हुई।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में ही मिली हार, गर्मी से दिखे परेशान

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था।

यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे जोकोविच

2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे।

पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा।

तूफान के कारण 90 मिनट खेल रूका, इयाला तीसरे दौर में पहुंचीं

महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था। इयाला जिन्होंने इसी महीने वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता था अब नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने तुर्किये की जेनेप सोनमेज को 6-2, 6-3 से हराया। 21 वर्षीय इयाला को हमेशा की तरह फिलीपींस के दर्शकों का भारी समर्थन मिला, जैसा कि उन्हें विंबलडन और टोरंटो के इवेंट में भी मिला था। मैच के बाद इयाला ने कहा कि वह खेल पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रही थीं, लेकिन कोई भी खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी के चोटिल होकर रिटायर होने से मैच नहीं जीतना चाहता। अन्य महिला मुकाबलों में विंबलडन में चोटिल होने के कारण एक महीने तक कोर्ट से दूर रहीं रोलैंड गैरोस की फाइनलिस्ट माजा चवालिंस्का ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-2 से हराया।

गॉल टेस्ट: देवदत्त पडिक्कल ने खेली 167 रन की पारी, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के देवदत्त पडिक्कल ने बड़ा शतक (167) लगाया। वह दूसरे दिन के दूसरे सत्र में विपक्षी स्पिनर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। उनके इस बड़े शतक की मदद से भारत ने दूसरे दिन के तीसरे सत्र की समाप्ति तक 360/9 का स्कोर बनाया। इस बेहतरीन पारी से पडिक्कल ने अपने चयन को सही साबित किया। पडिक्कल पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 131 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे दिन अपने निजी स्कोर में 36 रन और जोड़े। वह 230 गेंदों में 167 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर 162 रन की साझेदारी की। वहीं, राहुल शतक बनाने से चूक गए और 82 रन बनाकर आउट हुए।

इस सूची में शामिल हुए पडिक्कल

पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ नंबर-3 पर खेलते हुए 150 से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ऐसा कर चुके थे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ ने 2009 में नंबर-3 पर खेलते हुए अहमदाबाद टेस्ट में 177 रन की पारी खेली थी। वहीं, पुजारा ने 2017 में 153 रन बनाए थे। उन्होंने ये पारी गॉल के ही मैदान पर खेली थी।

नंबर-3 पर खेलते हासिल किए ये मुकाम

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट में शतक लगाने वाले आखिरी भारतीय शुभमन गिल थे, जिन्होंने सितंबर 2024 में चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। पडिक्कल 21वीं सदी में भारत के लिए नंबर-3 पर खेलते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 2002 में दिल्ली में जिम्बाब्वे के खिलाफ 136 रन बनाए थे।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार कंगारू टीम को टेस्ट में हराया

डार्विन। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कम लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को जोश हेजलवुड ने पहला झटका दिया। हेजलवुड ने तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। इसके बाद शदमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने बांग्लादेश को आसानी से जीत दिलाई। हक 30 और इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पहली पारी 426 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह बांग्लादेश ने 228 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और टीम ने 207 रन के स्कोर पर ही सात विकेट गंवा दिए। इसके बाद ग्रीन ने स्टार्क के साथ मिलकर साझेदारी की और टीम को बढ़त दिलाने में सफल रहे। चौथे दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 243 रन बनाए। लंच ब्रेक के बाद हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को मिचेल स्टार्क के रूप में आठवां झटका लगा। ग्रीन और स्टार्क ने आठवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। तस्कीन अहमद ने स्टार्क को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टार्क 18 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे।

प्रतिका रावल का एशिया कप के लिए चयन, वॉरविकशायर के वनडे कप से हुई बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतिका रावल को आगामी एसीसी महिला एशिया कप के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके चलते वह इंग्लैंड में वॉरविकशायर के साथ अपने निर्धारित वनडे कप कार्यकाल में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रतिका को स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में हाई-ग्रेड चोट के कारण एशिया कप के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों से भी बाहर हो गई हैं।25 वर्षीय प्रतिका को 19 अगस्त को वॉरविकशायर से जुड़ना था और वह सीजन के बाकी मुकाबलों में टीम का हिस्सा बनने वाली थीं। हालांकि, भारत की ओर से पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप मिलने के बाद अब वह एडबर्गटन नहीं जाएंगी। वॉरविकशायर महिला टीम के मुख्य कोच अली मेडन ने प्रतिका के नहीं जुड़ पाने पर निराशा जताई, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम प्रतिका का बेसब्री से स्वागत करने की तैयारी कर रही थी और उनके बाहर होने से निराशा हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीजन के बाकी हिस्से में टीम के पास अभी काफी कुछ हासिल करने का मौका है और मौजूदा खिलाड़ियों पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रतिका रावल भारत की 2025 महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य रही हैं। वह अब तक 27 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 1189 रन बनाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक भी लगाया था। हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अभी तक भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

30 अगस्त को थाईलैंड से होगा भारत का मुकाबला

प्रतिका अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम तीन सितंबर को हांगकांग और चीन से भिड़ेगी, जबकि बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पांच सितंबर को पाकिस्तान का सामना करेगी। एशिया कप के सभी मुकाबले दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहली बार यूएई इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

वनडे वर्ल्ड कप 2027: गांधी जयंती पर होगा वर्ल्ड कप का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2027 2027 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट का आगाज 2 अक्टूबर 2027 यानी गांधी जयंती के दिन हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने अभी आधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन अंदरूनी चर्चा के अनुसार इस खास दिन से टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से ऐतिहासिक जुड़ाव को देखते हुए इस तारीख को बेहद खास माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत गांधी जयंती के दिन करने पर विचार कर रहा है। महात्मा गांधी ने भारत लौटने से पहले करीब 21 साल दक्षिण अफ्रीका में बिताए थे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले क्रिकेट के इस बड़े टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना उनके शांति और अहिंसा के संदेश को सम्मान देने के तौर पर देखा जा रहा है।

पहले वर्ल्ड कप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अक्टूबर के पहले सप्ताह में अभ्यास मैच खेले जाने थे। नए प्लान के तहत अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के आखिरी सप्ताह में कराया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर से हो सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 टीमों वाला यह टूर्नामेंट करीब 50 दिनों तक चलेगा। इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की योजना है। तीन देशों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

12 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मुकाबलों की मेजबानी करेगा। वहीं नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी टूर्नामेंट का हिस्सा होगा।

ऐसा होगा वर्ल्डकप का नया फॉर्मेट

2027 वर्ल्ड कप में फॉर्मेट में भी बदलाव देखने को मिलेगा। शुरुआत में तीन टीमों की सुपर सीरीज होगी, जिसमें से एक टीम बाहर हो जाएगी। इसके बाद 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा और हर ग्रुप में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद टीमें सुपर सेवन चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद टूर्नामेंट सेमीफाइनल और फाइनल की ओर बढ़ेगा। इस तरह खिताब के लिए टीमों को कई चरणों से गुजरना होगा।

इन 10 टीमों ने पक्की की जगह

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 10 टीमों ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। बाकी चार टीमों का फैसला अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा। इसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी हिस्सा लेंगी।

थैलेसीमिया का आयुर्वेदिक इलाज

थैलेसीमिया एक जानलेवा रोग है, जो बच्चों को अपना शिकार बनाता है। थैलेसीमिया दो प्रकार का होता है- थैलेसीमिया माइनर और थैलेसीमिया मेजर।

थैलेसीमिया माइनर यह रोग मां-बाप में से किसी एक के द्वारा संतान में आता है। थैलेसीमिया माइनर से प्रभावित व्यक्ति तो इस रोग के संवाहक होते हैं। इसके कुछ रोगी ऐसे होते हैं, जो 25-30 वर्ष की उम्र तक तो सामान्य जीवन जीते हैं। मगर जब अचानक खून की कमी हो जाती है और खून की जांच करवाते हैं तब इसका पता चलता है।

थैलेसीमिया माइनर के रोगी का जिगर और तिल्ली बढ़ जाती है। थैलेसीमिया माइनर कभी भी थैलेसीमिया मेजर में परिवर्तित नहीं होता है। अनेक रोगी तो सामान्य रक्ताल्पता [एनीमीया] के उपचार से ही स्वस्थ महसूस करते हैं।

थैलेसीमिया मेजर

थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में रोग के लक्षण 4 से 6 माह की उम्र में ही दिखाई देने लगते हैं। बच्चों की त्वचा एवं नाखुनों में पीलापन आने लगता है तथा बच्चे का विकास अवरूद्ध हो जाता है। इस रोग में अस्थिमज्जा में लाल रक्तकण [आरबीसी] बनने बंद हो जाते हैं या कम बनते हैं और यदि बनते भी हैं, तो वे अत्यंत ही विकृत तथा हीमोग्लोबीन रहित होते हैं।

थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित बच्चों में जींस मां-बाप दोनों से ही आते हैं। यदि मां-बाप दोनों ही थैलेसीमिया माइनर से पीड़ित हैं, तो उनके बच्चे थैलेसीमिया मेजर से ग्रस्त हो सकते हैं। इस रोग में आरबीसी की दीवारें सख्त हो जाती हैं , इस कारण से रक्त संचरण के समय अथवा अस्थिमज्जा में रहते समय वे नष्ट होने लगती हैं। इससे ग्रस्त बच्चे जन्म के समय तो पूरी तरह स्वस्थ नजर आते हैं, लेकिन बाद में इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

खून की कमी के कारण शरीर का पीला पड़ जाना, अन्य गंभीर रोगों का संक्रमण, चेहरा पीला और निस्तेज, सांस फूलना, पेट फूला-फूला, भूख नहीं लगना, खाने के प्रति अरूचि और खा लेने से उल्टियां हो जाना, निरंतर ज्वर रहना या शरीर का तापमान कम हो जाना, नाड़ी और ह्रदय की गति अधिक, सिर बड़ा और शरीर की आकृति छोटी, सिर के मध्य करोटीं में दबा हुआ [खड्डा] सा दिखाई देना, सिर की मोटी भौहों के बीच में नाक का भाग पिचका हुआ होना ये इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं।

चिकित्सा- आधुनिक चिकित्सा में रोगी का जीवन चलता रहे इसके लिए रोगी को प्रतिमाह या हर सप्ताह खून चढ़ाया जाता है। मगर यह काम कितना महंगा, मुश्किल एवं दर्द भरा है यह भुक्तभोगी ही जानते हैं। विकसित देशों में अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण [बोन मेरो ट्रांसप्लांटेशन] द्वारा इसका उपचार किया जाने लगा है, लेकिन यह भी अत्यंत महंगा है।

समय-समय पर हीमोग्लोबीन की मात्रा की जांच करवानी पड़ती है अथवा कुछ ऐसे लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं जिनसे पता चलता है कि अब खून की मात्रा कम हो गई है। बड़े-बड़े शहरों में तो थैलेसीमिया रोगियों की सहायतार्थ सोसायटियां बनी हुई हैं जो थैलेसीमिया रोग के शिकार बच्चों के लिए खून की व्यवस्था करती है।

खून चढ़ाने का उपाय एक तरफ तो लाभप्रद है, किंतु तकलीफों से भरा भी है। रोगी के परिवार को अत्यंत महंगे उपचार का भार उठाना पड़ता है। बार-बार खून चढ़ाने की प्रक्रिया रोगी के जीवित रहने तक चलती रहती है। बार-बार खून चढ़वाने के कारण शरीर के प्रमुख अंगों- लीवर, प्लीहा, ह्रदय इत्यादि में आवश्यकता से ज्यादा लौह तत्त्व एकत्रित हो जाते हैं। प्लीहा लाल रक्त कणों के अवखंडन का स्थान है और थैलेसीमिया में लाल रक्त कण ही जल्दी-जल्दी अवखंडित होते हैं, अत: ये कोशिकाएं अत्यधिक संख्या में प्लीहा के साइनोसाइड्स में एकत्र होती रहती है, जिससे प्लीहा का आकार बढ़ जाता है। अत्यधिक मात्रा में एकत्र हुआ लौह तत्त्व ह्रदय में विषमता पैदा करता है, जिससे ह्रदय काम करना बंद कर देता है। आवश्यकता से अधिक लौह तत्त्वों को शरीर से बाहर निकालने के लिए प्रतिदिन इंजेक्शन लगाना आवश्यक है किंतु फिर भी रोगी को बचाना संभव नहीं है।

आयुर्वेद में थैलेसीमिया रोग की फायदेमंद चिकित्सा है। चिकित्सा में यकृत, प्लीहा की चिकित्सा लंबे समय तक की जाती है। गंभीर रक्ताल्पता, रक्तपित्त, यकृद्दाल्युदर, प्लीहोदर तथा रक्त का अतिमात्रा में शरीर से बाहर प्रवृत्ति आदि की मिली जुली चिकित्सा भी लंबे समय तक की जाए, तो इस रोग में लाभ होने की पूरी आशा की जा सकती है।

थैलेसीमिया रोग से पीड़ित रोगी की यदि आधुनिक एलोपैथी चिकित्सा के साथ ही अनुभवी चिकित्सक की देखरेख में आयुर्वेद चिकित्सा की जाए और रोग निर्मूल होने तक परहेज किया जाए तो थैलेसीमिया जैसे गंभीर रोग से असमय मरने से रोगी को बचाया जा सकता है।

दृष्टि कमजोर तो नहीं हो रही

हाल ही में अपनी आंखों की पूरी जांच कराने पर भी आपको साफ नहीं दिखाई दे रहा या फोकस करने में परेशानी हो रही है तो यह आंखों के रोग ग्लॉकोमा का लक्षण हो सकता है। ऐसी स्थिति में आई प्रेशर धीरे-धीरे बढने लगता है और इससे ऑप्टिक नर्व डैमेज होने लगती है। यदि लगातार अनदेखा किया जाए तो पांच साल में यह इतना नुकसान पहुंचा देता है कि स्थिति गंभीर हो जाती है। यदि आपको ऐसा कुछ भी अंदेशा हो रहा हो तो अपने नेत्र विशेषज्ञ से नियमित जांच कराएं। समय रहते मर्ज का पता लगने पर दवाओं से इस पर काबू पाया जा सकता है। आंखों के स्वास्थ्य के लिए विटमिन ए पर्याप्त मात्रा में लें। तेज व चमकीली रोशनी में सीधे न देखें। टीवी सेट से कम से कम 3 मीटर की दूरी रखें। कंप्यूटर पर काम करने के लिए एंटी ग्लेयर चश्मा पहनें। ठंडे पानी से आंखें धोएं। बाल शैंपू करने से पहले भौंहों और पलकों पर कोल्ड क्रीम लगाएं जिससे साबुन भीतर न जाए। एक्सरसाइज करें।

हेल्थ प्लस

गर्भवती महिलाएं और कैल्शियम

गर्भवती महिलाओं को रोजाना कम से कम एक ग्राम कैल्शियम की जरूरत होती है और यह न मिले तो उनकी हड्डियों में कैल्शियम की कमी हो जाती है। गर्भवती महिला के होने वाले बच्चे की हड्डियां और दांत बनने के लिए कैल्शियम की बहुत जरूरत होती है और यह जरूरत बच्चा अपनी मां से पूरी करता है। कैल्शियम की कमी से होने वाले बच्चे का शरीरिक व मानसिक विकास कम हो जाता है और बच्चा मंदबुद्धि पैदा हो सकता है। अगर किन्हीं कारणों से खानपान के जरिए कैल्शियम की पूर्ति नहीं हो पा रही हो तो डॉक्टर की सलाह से दिन में तीन बार 500 मिग्रा। कैल्शियम की गोलियां ली जा सकती हैं। इस तरह शरीर में कैल्शियम आसानी से जज्ब हो जाता है।

किशमिश दांतों की रक्षक

खाने की जो भी चीज दांतों में चिपकती है आम तौर पर उसे दांतों का दुश्मन समझा जाता है। लेकिन यही चिपकने वाली किशमिश दांतों पर चिपक कर बैक्टीरिया को दांतों से दूर रखने में सहायक होती है यह आम आदमी नहीं जानता। यह शोध शिकागो कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्री द्वारा किया गया। शक्कर जैसी मीठी व चिपचिपी होने पर भी किशमिश में फाइटोकेमिकल्स का भंडार है। वैज्ञानिकों ने किशमिश में 5 ऐसे फाइटोकेमिकल्स पाए, जो मुंह के स्वास्थ्य सुधार के लिए लाभकारी थे। वास्तव में फाइटोकेमिकल्स पौधों में मौजूद ऐसे नैचरल एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं जो दांतों और मसूडों की सडन से बचाने में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि वास्तव में मीठा खाने से दांत खराब नहीं होते, बल्कि उसमें मिलाई गई शक्कर दांतों के लिए नुकसानदायक होती है।

स्वास्थ्यरक्षक मीठा नीम

मीठे नीम की पत्तियां खुशबूदार होती हैं। इनको कढ़ी, चटनी इत्यादि में डालने से इन आहार-द्रव्यों में भीनी-भीनी महक आने लगती है। दक्षिण भारत में भोजन में सुवास के लिए करी पत्ता बेहद लोकप्रिय है। बहुत से क्षेत्रों में इसे मीठा नीम भी कहते हैं।

पोषक तत्व

प्रोटीन 6.1 प्रतिशत, वसा 1 प्रतिशत, कार्बोहाइडेट 16 प्रतिशत, रेशे 6.4 प्रतिशत, खनिज तत्त्व 4.2 प्रतिशत, कैल्शियम 810 मिलीग्राम, लौह 600 मिलीग्राम, फॉसफोरस 3.1 मिलीग्राम, कैरोटीन 126000 अंतरराष्ट्रीय यूनिट, निकोटिनिक एसिड 2.3 मिलीग्राम, विटामिन सी 4 मिलीग्राम प्रति सौ ग्राम।

औषधीय गुण

- नियमित रूप से खाद्य पदार्थो के साथ करी पत्ते का सेवन करते रहने से यह श्रेष्ठ टॉनिक का कार्य करता है।
- यह ठंडा, स्वाद में चरपरा, फीका तथा पचने में हलका होता है।
- यह शरीर के किसी भी हिस्से में हो रही जलन को शांत कर देता है।
- पेट के कीड़ों से मुक्ति दिलाता है।
- सूजन को दूर करता है।
- विविध प्रकार के रक्त संबंधी विकारों जैसे शरीर में फोड़े-फुंसियां होना, नकसीर, मुंह में छाले होना, चेहरे पर झांइयां होना, शरीर पर तिल अधिक पैदा होना, दाद होना, सफेद दाग अर्थात् ल्यूकोडर्मा, खारिश-खुजली, त्वचा पर लाल-लाल चकत्ते पैदा होना इत्यादि रोगों के उपचार में भी यह लाभप्रद औषधि है।
- विविध प्रकार के विष प्रकोप में भी यह लाभप्रद औषधि है।

कुछ खास प्रयोग

कष्टार्तव अर्थात् कठिनाई और दर्द के साथ मासिक धर्म का होना करी पत्ते का नियमित रूप में सेवन करने से इस शिकायत से आश्चर्यजनक ढंग से मुक्ति मिल जाती है।

सेवन विधि

इसके लिए करी पत्तों को सुखाकर इनका बारीक चूर्ण तैयार कर लें। यह चूर्ण एक चाय चम्मच भर मात्रा में हलके गरम पानी के साथ सेवन करें। सवेरे और शाम दिन में दो बार यह प्रयोग सेवनीय है। कढ़ी, दाल, पुलाव इत्यादि आहार द्रव्यों के साथ करी पत्ते का नियमित सेवन बेहद फायदेमंद है।

पेचिश होने पर इससे पीड़ित व्यक्ति को रक्त और कफ मिले हुए तेज दस्त आने लगते हैं। ताजा, कोमल, हरे करी पत्ते चबाकर खाना बहुत ही लाभप्रद है।

अपच अर्थात इंडाइजेशन मूंग की दाल में करी पत्ते का तड़का लगाकर सेवन करें। इससे अपान वायु खारिज होगी। भूख खुलकर लगेगी। भोजन शीघ्र पचेगा।

कीट दंश मधुमक्खी, ततैया इत्यादि विषाक्त जीवों द्वारा काट लेने पर करी पत्तों को पीसकर दंश स्थान पर लेप कर दें। तत्काल आराम मिलेगा।

वमन उल्टी की शिकायत होने पर दस-बीस करी पत्तों को दो सौ मिलीलीटर पानी में उबालें। आधा पानी शेष रहने पर इसे छान लें। इस पानी को दो-दो चम्मच की मात्रा में प्रति पंद्रह मिनट बाद पिएं। लाभ होने तक यह प्रयोग करें। बहुत ही लाभप्रद प्रयोग है।

किडनी पेन अर्थात वृक्क शूल मीठे नीम की जड़ का ताजा रस दस मिलीलीटर की मात्रा में पीने से आराम मिलता है।

भोजन के पोषक तत्वों को बचाएं

बेशक आप अत्यन्त स्वादिष्ट भोजन बनाती होंगी जिन्हें परिजन चटखारे लेकर खाते भी होंगे, लेकिन क्या वह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ उतना पोषक भी है? कहीं अनजाने में ही आप उसके पोषक तत्वों को नष्ट तो नहीं कर रहीं? भोजन को तैयार होने तक कुछ निश्चित प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी स्तर पर उसके पोषक तत्व नष्ट न हों। इसके लिए आपको निम्नांकित बातें ध्यान में रखनी होगी।

- आटा थोड़ा मोटा पिसवाएं।
- आटे को चोकोर सहित काम में लें।
- चावल बनाने हेतु उतना ही पानी लें, जितना उसे पकने के लिए जरूरी हो।
- जिन मोटे अनाजों को पानी में भिगोकर रखा जाता है, उन्हें उसी पानी में पकाएं।
- सब्जियाँ पकाने में उतना ही पानी लें, जितना आवश्यक हो।
- सब्जियों को काटने या छीलने के पूर्व धोएं, बाद में नहीं।
- सब्जियों के गट्टे बड़े रखें, छोटे नहीं।
- सब्जियों के पतले छिलके उतारें, मोटे नहीं।
- सब्जियाँ कम चौड़े बर्तन में ढककर पकाएं।
- सब्जियों को सदैव धीमी आँच पर पकाएं।
- बेहतर होगा दाल, सब्जी, प्रेशर कुकर में पकाएं।
- सब्जियाँ बार-बार गर्म न करें।
- सब्जियाँ पकाने में मीठा सोडा आदि न डालें।
- गाजर, मूली, टमाटर, खीरा, पत्तागोभी आदि को सलाद के रूप में इस्तेमाल करें।
- गाजर का ऊपरी भाग, प्याज का पीला भाग, बंदगोभी के बाहरी पत्ते, मूली के पत्ते आदि को फेंके नहीं।
- मूंग, मोठ, मटर, चने आदि को अंकुरित कर इस्तेमाल करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

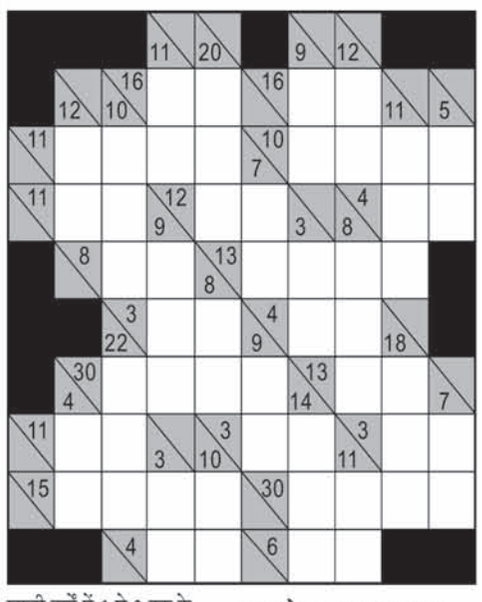

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3980

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3979 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

☐ ☐ ☐

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

☐ ☐ ☐

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

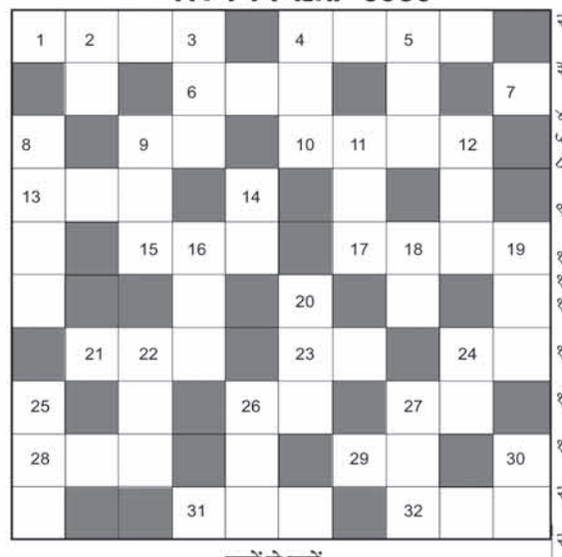

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

☐ ☐ ☐

फिल्म वर्ग पहेली- 3980

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3979

सूडोकु -3980

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3979 का हल

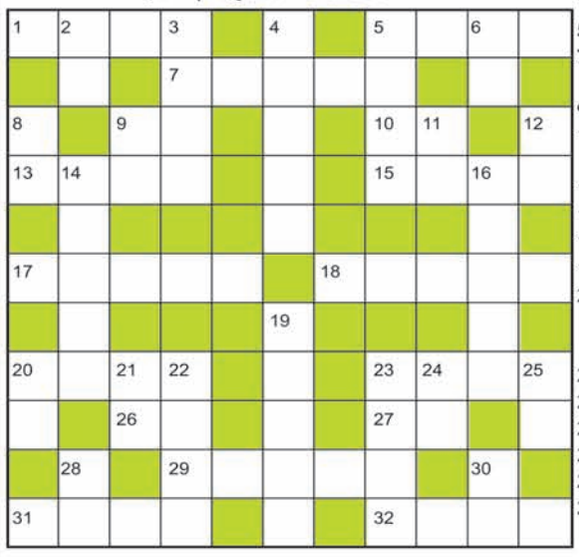

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली -3980

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3979 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी